●वर्ष : 16 ●अंक : 273 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 25 जनवरी 2025

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

केंद्रीय गृह मंत्री ने शरद पवार को घेरा

कहा- उन्होंने अपने समय में सहकारिता के लिए कुछ नहीं किया

महाराष्ट्र। में सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनसीपी (शरद) के प्रमुख शरद पवार पर हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि शरद पवार जब कृषि मंत्री थे तो उन्होंने सहकारी क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया। जब वह दस साल तक केंद्रीय कृषि मंत्री थे, तो सहकारी क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में था। उन्होंने पूछा कि आपने इस क्षेत्र के लिए क्या किया है? क्या आपने कर मुद्दों का समाधान किया? कर के संबंध में मॉडल उपनियम बनाए? हमारी सरकार ने अलग सहकारिता मंत्रालय बनाकर कई काम किए।

नासिक में सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विज्ञान सहकारी क्षेत्र का हिस्सा होता है तो कृषि लाभदायक हो जाती है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के महत्व पर जोर देने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री के प्रसिद्ध नारे 'जय जवान जय किसान' में 'जय विज्ञान' को शामिल किया था।

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक मजबूत सहकारी क्षेत्र सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर होने का प्रतीक है। इस क्षेत्र में 1.18 लाख सदस्य हैं और सरकार ने जुलाई 2021 में स्थापित सहकारिता विभाग के कई लंबित मुद्दों का समाधान किया है।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

10 विपक्षी सांसद दिनभर के लिए समिति की सदस्यता से निलंबित

>> सभी 10 विपक्षी सांसद दिनभर के लिए निलंबित

बैठक में हुए हंगामे के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से सभी 10 विपक्षी सांसदों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विपक्षी सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक, इमरान मसूद शामिल हैं।

>> निशिकांत दुबे ने पेश किया निलंबन प्रस्ताव

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। इसे समिति ने स्वीकार कर लिया। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों का आचरण शर्मनाक था, क्योंकि वे बैठक के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे।

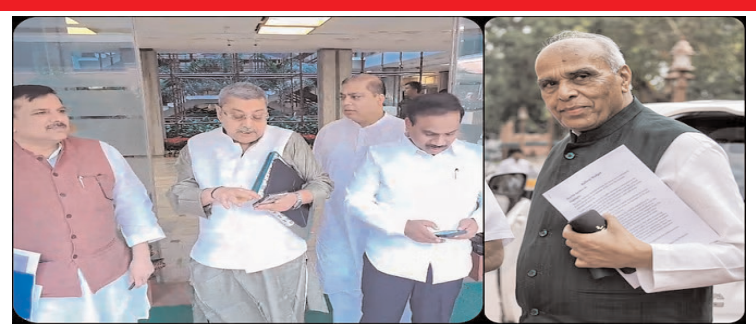

बैठक में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल: बनर्जी

कल्याण बनर्जी ने कहा कि बैठक में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल चल रहा है। सभापति इस बैठक को आगे बढ़ा रहे हैं और वह किसी की नहीं सुन रहे हैं। हमें बताया गया था कि 24 और 25 जनवरी को बैठक होगी। अब आज की बैठक के लिए एजेंडे को खंड दर खंड चर्चा से बदल दिया गया है।

निशिकांत दुबे ने ओवैसी को घेरा

निशिकांत दुबे ने कहा कि विपक्ष के लोगों खासकर ओवैसी साहब की सोच है कि हमने जम्मू-कश्मीर का पूरा प्रतिनिधित्व नहीं सुना और मीरवाइज उमर फारूक को बुलाया। उन्हें सुनने के लिए ही जेपीसी अध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर दी और खंडवार चर्चा की। आज विपक्ष की सोच और नजरिया उजागर हो गया है। उन्होंने मीरवाइज के सामने हंगामा किया और बदसलूकी की। यह संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है।

>> मीरवाइज को बुलाने से पहले चर्चा में हंगामा

मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों ने आपस में चर्चा की और इसी दौरान विपक्षी नेताओं के साथ बैठक में हंगामा हो गया। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को जल्द स्वीकार करने पर जोर दे रही है। बैठक के दौरान तीखी बहस के कारण कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। मीरवाइज के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल समिति की बैठक फिर से शुरू होने के बाद उसके सामने पेश हुआ।

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। हंगामा थमता न देख समिति के 10 सांसदों को पूरे दिन के लिए कमेटी की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले बैठक के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। आज भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी कश्मीर के मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुनने वाली थी। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन बैठक से बाहर निकल आए। उन्होंने कहा कि समिति की कार्यवाही तमाशा बन गई है। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित संशोधनों पर खंडवार विचार करने के लिए 27 जनवरी को होने वाली बैठक को 30 जनवरी या 31 जनवरी तक के लिए टाल दिया जाए। निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उनका आचरण संसदीय परंपरा के खिलाफ है और वे बहुमत की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

मीरवाइज ने क्या कहा?

समिति के समक्ष पेश होने से पहले मीरवाइज ने कहा कि वह वक्फ संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध करते हैं और धर्म के मामलों में सरकार के हस्तक्षेप नहीं करने का समर्थन करते हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे सुझावों को सुना जाएगा और उन पर अमल किया जाएगा। ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाए, जो मुसलमानों को बसहज महसूस कराए। यह पहली बार है, जब लगभग निष्क्रिय हो चुके अलगाववादी समूह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख मीरवाइज ने पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद कश्मीर घाटी से बाहर कदम रखा है।

ज्वलंत मुद्दा सम्पादकीय

क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

सार समाचार

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री जाएंगे चीन

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री दो दिवसीय दौरे पर 26-27 जनवरी को चीन जायेंगे और बीजिंग में दोनों देशों के बीच विदेश सचिव-उप मंत्री तंत्र की बैठक में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार इस द्विपक्षीय तंत्र की बहाली नेतृत्व स्तर पर हुए समझौते से प्रेरित है।

छिंदवाड़ा व नरसिंहपुर के भाजपा जिलाध्यक्ष घोषित

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने बचे हुए पांच जिलों में से दो जिलाध्यक्षों की घोषणा की है। छिंदवाड़ा से शेषराव यादव को दोबारा से मौका दिया गया है। शेषराव बंटी साहू के सांसद चुने जाने के बाद जिलाध्यक्ष बने थे जिनका कार्याकाल तीन साल से कम समय का था लिहाजा उनको दोबारा मौका मिलना तय माना जा रहा था। इसी तरह नरसिंहपुर से रामस्नेही पाठक को मौका दिया गया है।

लिखा जा रहा आस्था का नया इतिहास

महाकुंभ: अब तक 10 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान

ब्यूरो, प्रयागराज

गुरुवार को महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ने नया इतिहास बनाते हुए 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। दोपहर 12 बजे का डेटा जारी होते ही स्नानार्थियों की संख्या 10 करोड़ का अंक पार कर गई। महाकुम्भ में प्रतिदिन लाखों की संख्या श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं। स्नान पर्व पर यह संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार का अनुमान है कि इस बार महाकुम्भ में 45 करोड़ लोगों से ज्यादा लोग आने वाले हैं।पूरे महाकुम्भ मेला क्षेत्र में भक्तों का तांता लगा हुआ है। देश के विभिन्न प्रान्त और विश्व के अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया। संगम के तट पर इस समय पूरे देश की विविध संस्कृतियों की झलक देखने को मिल रही है। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो 23 जनवरी तक 10 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2025 के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान राजपथ पर मध्य प्रदेश की झांकी। मध्यप्रदेश की झाँकी चीता द प्राइड ऑफ इण्डिया की थीम पर केंद्रित होगी।

आज पूरा मंत्रिमंडल रहेगा महेश्वर में

अहिल्याबाई को समर्पित होगी महेश्वर कैबिनेट: मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री और मंत्रीगण देवी अहिल्याबाई की स्मृति में करेंगे पौध रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने गंतव्य कैबिनेट की ऐतिहासिक पहल की है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यटन को बढ़ावा देने की अवधारणा को भी धरातल पर साकार करती है। आज लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी महेश्वर में राज्य सरकार कैबिनेट की बैठक करने जा रही है, जो देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती वर्ष को समर्पित होगी। डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई का सम्पूर्ण जीवन लोक-कल्याण और सुशासन को समर्पित रहा है। राज्य सरकार देवी अहिल्याबाई द्वारा महिला सशक्तिकरण, किसान-कल्याण, सुशासन की दिशा में दिखाए मार्ग पर चलकर समग्र विकास को चरितार्थ करने के लिये संकल्पित है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सिद्धांतों एवं आदर्श राज्य की नीति एवं निर्माण में समाहित किया जायेगा। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए महिला नेतृत्व एवं सशक्तिकरण की दिशा में सरकार ने प्रभावी कदम बढाए हैं।

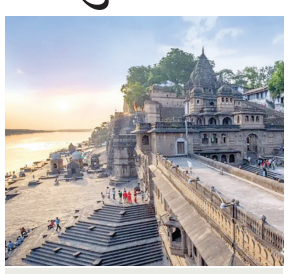

महेश्वर गंतव्य कैबिनेट के मुख्य आकर्षण

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव महेश्वर घाट पर माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना करेंगे।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी।
- लोकमाता देवी अहिल्याबाई की स्मृति में पौध-रोपण होगा।
- महेश्वर में माँ नर्मदा के घाटों के साथ ही नगर में भी साज-सज्जा होगी।
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव, महेश्वरी साड़ी तैयार करने वाली महिला बुनकरों से संवाद करेंगे।
- मंत्रि-परिषद के सदस्य लोकमाता देवी अहिल्याबाई के महल का अवलोकन करेंगे।

जबलपुर में दो ग्रीन कॉरिडोर बने दिल भोपाल व लीवर इंदौर भेजा

जबलपुर

सड़क हादसे में घायल हुए सागर निवासी 61 वर्षीय बलिराम कुशवाहा (पटेल) के ब्रेनडेट घोषित होने के बाद गुरुवार को जबलपुर से दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए और उनके अंगों को इंदौर और भोपाल भेजा गया। हार्ट को भोपाल के एम्स भेजने के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज से डुमना एयरपोर्ट तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर रवाना किया गया है जबकि लिवर के लिए तिलवारा में हेलीपेड बनाकर हेलिकॉप्टर के जरिए लिवर को भी इंदौर के चोइथराम हॉस्पिटल भेजा गया है। इस अंगदान से दो लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है। दरअसल, सागर निवासी 61 वर्षीय बलिराम कुशवाहा दो दिन पहले 21 जनवरी को सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए जबलपुर के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लाया गया था। यहां डॉक्टरों ने बलिराम को ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया था।

छत्तीसगढ़ के तिम्मापुर दुर्गा मंदिर के पास 50 किलो का आईईडी बरामद

बीजापुर

छत्तीसगढ़ के जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत तिम्मापुर दुर्गा मंदिर के पास से गुरुवार को सुरक्षाबलों ने 50 किलोग्राम का आईईडी बरामद किया। नक्सलियों के पुलिया के नीचे लगाये गये 50 किलोग्राम के आईईडी को सीआरपीएफ 168 बटालियन की बीडीएस टीम ने सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया है। बीजापुर एएसपी चंद्रकांत गर्वना ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार नक्सलियों ने पुलिया के नीचे कंक्रीट और पत्थर हटाकर 50 किलो वजनी आईईडी लगाकर उसके ऊपर पत्थरों को फिर से जमा दिया था, ताकि किसी को शक न हो। सीआरपीएफ 168 बटालियन के बीडीएस टीम ने डिमाइनिंग के दौरान मेटल डिटेक्टर की मदद से आईईडी को बरामद करने में सफल रही, लेकिन आईईडी अधिक गहराई में होने के कारण मौके पर ही इसे नष्ट कर दिया गया।

वैचारिकी

हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन समारोह में संबोधन

हिंदू समाज का शक्तिशाली होना संहारक नहीं, संरक्षक है : भैयाजी जोशी

एजेंसी, अहमदाबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत के हिंदू समाज का शक्तिशाली होना संहारक नहीं, संरक्षक है। दुर्बलों की रक्षा करने वाला है, असहाय लोगों की सहायता देने वाला है। भैयाजी जोशी हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान की ओर से आयोजित हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन समारोह के एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। 23 से 26 जनवरी तक चलने वाले इस मेले का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया। अहमदाबाद के हेलमेट सर्किल के समीप गुजरात विश्वविद्यालय के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में शाह और भैयाजी जोशी के अलावा मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, चाणक्य सीरियल के चंद्रप्रकाश द्विवेदी समेत कई गणमान्य अतिथि-संत मौजूद रहे। भैयाजी जोशी ने कहा कि भारत के अलावा विश्व मे ऐसा कोई देश नहीं है जो सारी दुनिया को साथ लेकर चले। यह हमारी आध्यात्म की कल्पना है, वसुधैव कुटुंबकम की हमारी कल्पना है। उन्होंने कहा कि शांति का मार्ग समन्वय से होकर जाता है। सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत वाला ही शांति स्थापित करता है। सभी सम्प्रदाय अपनी-अपनी बातों के अनुसार चल सकते हैं, लेकिन अन्य को चलने की स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो शांति कहां से रहेगी। विश्व पर उसी का प्रभाव रहेगा जो सभी को साथ लेकर चलेगा, वही विश्व का संचालन कर सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भैयाजी जोशी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ गुरुवार को अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में 'हिंदू आध्यात्मिक और सेवा मेला' के उद्घाटन के अवसर पर।

हिंदू यानी धर्म है, अध्यात्म है, एक विचार है, जीवन-शैली है

संघ के पूर्व सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने कहा कि जब हम हिंदू कहते हैं तो कई बातों का समावेश होता है। हिंदू यानी धर्म है, अध्यात्म है, एक विचार है, जीवन-शैली है, जीवन मूल्य है और एक सेवा है। हिंदू केवल मंदिरों में जाने वाला या सिर्फ कर्मकांड करने वाला नहीं है, बल्कि सभी प्रकार के पहलुओं से हिंदू की पहचान बनी है। धर्म की बात करते हैं तो उसका केंद्रबिंदु मानवता है, संबंध कर्तव्य से जोड़ा जाता है, परस्पर सहयोग-सहकार से जोड़ा जाता है, सत्य और न्याय की बात करते हैं। धर्म की रक्षा के लिए चाहे जिस प्रकार के कदम उठाने के लिए हिंदू समाज हमेशा सिद्ध रहा है।

चीन और पाक से मुकाबला करने की क्षमताएं विकसित कर रहा है भारत

रक्षा मंत्रालय ने रद्द किया एलएंडटी का टेंडर अब जर्मनी की कंपनी बनाएगी छह पनडुब्बियां

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने छह पनडुब्बियों के लिए भारतीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का 70 हजार करोड़ रुपये का टेंडर रद्द कर दिया है। स्पेनिश कंपनी नवांतिया के साथ साझेदारी में एलएंडटी का प्रस्ताव खारिज होने के बाद अब जर्मनी की कंपनी के सहयोग से मुंबई की मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत यह पनडुब्बियां बनाएगी। चीनी नौसेना के तेजी से आधुनिकीकरण की पृष्ठभूमि में भारत अपने समुद्री क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से मुकाबला करने को वांछित क्षमताएं विकसित कर रहा है। इसीलिए सरकार ने परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की कई पनडुब्बी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। दरअसल, भारतीय नौसेना प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत तीन सप्ताह तक पानी के नीचे रहने की क्षमता वाली छह उन्नत पनडुब्बियां खरीदना चाहती है। इसके लिए एलएंडटी और उसकी साझेदार कंपनी ने एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) की कार्यप्रणाली को भारतीय नौसेना की टीम के सामने प्रदर्शित किया था, लेकिन नौसेना ने निविदा दस्तावेज में अपनी आवश्यकताओं के लिए उच्च स्टेल्थ सुविधाओं वाली प्रणाली की मांग की थी। भारतीय नौसेना एक समुद्र-सिद्ध एआईपी प्रणाली चाहती है, जो सुरक्षित और विश्वसनीय हो।

कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा

सुप्रिया श्रीनेत बोलीं- रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर; एक डॉलर की कीमत 87 रुपये के करीब, प्रधानमंत्री ने शतक बनाने की ठानी

नई दिल्ली। 24 जनवरी कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट को लेकर चिंता जताते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी प्रवक्ता और सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर आकर अब 87 पार करने ही वाला है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र ने रुपये के मुकाबले डॉलर का शतक बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार को

एहसास है कि रुपये के गिरने से आम लोगों पर कितना असर पड़ेगा, क्योंकि आयात होने वाला सामान महंगा होने से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी। श्रीनेत ने प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए उस बयान को याद दिलाया कि जैसे-जैसे रुपया गिरता है, वैसे-वैसे प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा भी गिरती हैह्व। उन्होंने कहा कि इस हिसाब से तो प्रधानमंत्री मोदी की गरिमा इतनी गिर गई है कि ढूंढे नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि गिरावट को रोकने के लिए आरबीआई द्वारा लगभग 80 बिलियन डॉलर खर्च किए जाने के बावजूद रुपया लगातार गिर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आरबीआई के इस कदम के परिणामस्वरूप देश में विदेशी मुद्रा भंडार पिछले दस महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है; अभी यह 625 बिलियन डॉलर है, जो सितंबर 2024 में 704 बिलियन डॉलर था। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जब मोदी 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तब डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 58 थी। आज एक डॉलर की कीमत लगभग 87 रुपये हो चुकी है। मोदी शासन के दस वर्षों के दौरान रुपए में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। आंकड़ों का हवाला देते हुए श्रीनेत ने कहा कि मोदी रुपये के मूल्य में गिरावट के लिए सबसे अधिक योगदान देने वाले प्रधानमंत्री हैं।

फिल्म स्काई फोर्स में आंखों को नम भी कर जाते है अक्षय कुमार

नई दिल्ली। मेरी नजर में साल 2025 की शुरूआत अक्षय कुमार ने दमदार और शानदार अंदाज के साथ की है। एक बेहतरीन स्टोरी और एक सशक्त किरदार के साथ एयर फोर्स आफिसर की वर्दी पहने अक्षय ने ऐसी रौबदार इमेज में वापसी की है कि उनके कई सींस देखते हुए दर्शको ने मल्टीप्लेक्स ओडी में भी जमकर तालियां बजाई। करीब 125 मिनिट की यह फिल्म पाकिस्तान के ,सरगोधा एयरबेस पर भारत के जवाबी हमले के आसपास की घटनाओं पर आधारित है। कई दशक के बाद पर्दे पर ए मेरे वतन के लोगों , जरा आंख में भर लो पानी, देख सुन कर वीरों की शहादत को देख आँखें नम हो गई ।

स्टोरी प्लॉट

पाकिस्तान की वायु सेना ने अचानक भारत के एक एयरबेस पर हमला कर दिया। इस हमले की जवाबी कार्यवाही भारतीय सैनिकों में एक पाकिस्तानी पायलट अहमद हुसैन (शरद केलकर) को पकड़ लिया । भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर के.ओ. आहूजा (अक्षय कुमार) अहमद हुसैन से पूछताछ करते हैं। फ्लैशबैक में विंग कमांडर के.ओ. आहूजा आदमपुर एयरबेस पर हैं और अपने साथियों को युद्ध के लिए तैयार करते हैं। इनमें टी. विजया (वीर पहारिया) और अन्य शामिल हैं। विजया में आहूजा को अपना वीरगति को प्राप्त हो चुका भाई नजर आता है। विजया एक युवा अधिकारी है, जो देश के लिए कुछ भी करने का जुनून रखता है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद बांसुरी स्वराज व भाजपा नेता अरविंदर सिंह लवली की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी के कई नेता भाजपा में शामिल हुए। (सईद अहमद)

पंजाबी समुदाय के खिलाफ की टिप्पणी पर शिरोमणि अकाली दल ने विरोध जताया

नई दिल्ली, जनवरी : भाजपा नेता प्रवेश वर्मा द्वारा पंजाबी समुदाय के खिलाफ की गई नफरतपूर्ण टिप्पणी पर शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह सरना ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इस बयान को न केवल पंजाबियों का, बल्कि देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सिख समुदाय का भी अपमान करार दिया। सरना ने कहा कि 1947 से लेकर आज तक देश की सीमाओं की सुरक्षा में पंजाबियों का अभूतपूर्व योगदान है। 1965 की लड़ाई में जनरल हरबख्श सिंह जैसे सिख योद्धाओं ने पाकिस्तान को दिल्ली की ओर बढ़ने से रोका था। 1948 में भी सिख सैनिकों ने कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बनने से बचाया। प्रवेश वर्मा का बयान उन बलिदानों का अपमान है, जिन पर पूरा देश गर्व करता है। उन्होंने मांग की कि प्रवेश वर्मा तुरंत माफी मांगें और भाजपा इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करे। सरना ने कहा कि यह बयान भाजपा नेताओं की मंशा को उजागर करता है, जो दिखावे के लिए सिखों के हितैषी होने का नाटक करते हैं।

लोकप्रिय संचार प्लेटफार्म ट्रूकॉलर का सबसे बड़ा अपडेट, अब आईफोन में भी पूरी तरह करेगा काम

नई दिल्ली, जनवरी : दुनिया भर में संचार के अग्रणी प्लेटफॉर्म ट्रूकॉलर ने आईफोन के लिए अब तक के सबसे बड़े अपडेट की घोषणा की है। ट्रूकॉलर अब आईफोन में भी पूरी तरह से काम करेगा। नए अपडेट में एक ऐसा फीचर भी शामिल है, जिसकी ट्रूकॉलर आईओएस यूजर्स लंबे समय से मांग कर रहे थे। अब उन्हें स्पैम कॉल को ऑटोमैटिक तरीके से ब्लॉक करने की सुविधा मिलेगी। इस अपडेट में पहले से पहचाने गए कॉल्स को सर्च करने की क्षमता भी शामिल है। ट्रूकॉलर के सीईओ रिशित झुनझुनवाला ने कहा, एंड्रॉइड की तरह ट्रूकॉलर का अनुभव प्राप्त करना उनकी विश-लिस्ट में सबसे ऊपर रहा है। यह अपडेट सभी कॉलिंग गतिविधियों के लिए गोपनीयता को बनाए रखते हुए बहुत सी सुविधाओं की पेशकश करता है। ताजा अपडेट के बाद आईफोन में उपलब्ध सुविधाएं भी एंड्रॉयड फोन के बराबर हो गई हैं। उन्होंने बताया कि आईफोन पर ट्रूकॉलर में अब प्रीमियम फैमिली प्लान का सब्सक्रिप्शन लेने की सुविधा भी शामिल है। फैमिली प्लान के साथ, यूजर्स बेहद कम मासिक या सालाना मूल्य पर ट्रूकॉलर प्रीमियम के सभी फायदों को अधिकतम चार लोगों के साथ साझा कर सकते हैं। ट्रूकॉलर के प्रीमियम यूजर्स के लिए सभी नए फीचर्स उपलब्ध होंगे। लेकिन आईओएस पर ट्रूकॉलर के मुफ़्त यूजर्स को विज्ञापन के सहारे नंबर सर्च करने तथा वेरीफाइड बिजनेस की कॉलर आईडी की सुविधा का लाभ मिलता रहेगा। सीईओ के मुताबिक यह नया अपडेट सोमवार से ही लागू हो गया है।

बीआईएस का 78वां फाउंडेशन डे समारोह आयोजित हुआ, दादरी विधायक ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, जनवरी : भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने ग्रेटर नोएडा के सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कॉलेज में 78वें फाउंडेशन डे के अवसर पर मानक कार्निवल का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में इंडस्ट्री और समाज में क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को बढ़ावा देने के बीआईएस के प्रयासों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर नोवामैक्स अप्लायंसेज को एयर कूलर मैन्युफैक्चरिंग में आईएस 3315 सर्टिफिकेशन के लिए ऑल इंडिया फर्स्ट लाइसैंस प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। उनके साथ नेस्ट मैन ऑफ इंडिया कहे जाने वाले राकेश खत्री और एमएसएमई चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. इंद्रजीत घोष भी उपस्थित थे। नोवामैक्स के फाउंडर और सीईओ हर्षित अग्रवाल ने इस सम्मान पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, यह उपलब्धि नोवामैक्स के क्वालिटी और इनोवेशन के प्रति समर्पण को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य विश्व स्तरीय उत्पाद प्रदान करना है, जो सेफ्टी और परफॉर्मेंस के उच्च मानकों को पूरा करते हों।

भारत में साइक्लिंग संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में साइक्लोथॉन की घोषणा हुई

नोएडा, जनवरी : एचसीएल ग्रुप ने 23 मार्च 2025 को नोएडा में आयोजित होने वाले एचसीएल साइक्लोथॉन के तीसरे संस्करण की घोषणा की है। इस रेस का आयोजन साइक्लिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से किया जाएगा। इस वर्ष की थीम हैशटैग चेंजयोरगीयर है, जो स्वास्थ्य, फिटनेस और सस्टेनेबल जीवनशैली को बढ़ावा देती है। इस बार विजेताओं को 33.6 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जो इसे एशिया की सबसे अधिक इनामी साइक्लिंग रेस बनाती है। एचसीएल साईक्लोथॉन की शुरुआत 2023 में हुई थी। अब तक दिल्ली, चेन्नई और हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रमों में 10 हजार से अधिक साइक्लिस्ट भाग ले चुके हैं। एचसीएल के प्रैजिडैंट ऑफ स्ट्रेट्जी सुंदर महालिंगम ने कहा, साइक्लिंग न केवल फिटनैस को बढ़ावा देती है, बल्कि यह सस्टेनेबल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना है, जो लोगों को उनकी पूरी क्षमता का विकास करने में सहायता करे। साइक्लिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के सैक्रेटरी जनरल मनिंदर सिंह ने इस कार्यक्रम की महत्ता पर जोर देते कहा कि एचसीएल के सहयोग से साइक्लिंग को एक जीवनशैली और प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस पर तड़के तीन बजे शुरू होंगी दिल्ली मेट्रो की सेवाएं

दिल्ली मेट्रो गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को तड़के तीन बजे अपनी सेवाएं शुरू करेगी ताकि लोगों को कर्तव्य पथ तक पहुंचने में सुविधा हो। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! आधिकारिक बयान के मुताबिक देश भर में गणतंत्र दिवस के उत्सव के बीच दिल्ली मेट्रो रविवार को सुबह तीन बजे सभी लाइनों पर अपनी सेवाएं शुरू कर देगी, ताकि लोग कर्त्तव्य पथ तक पहुंच सकें और वहां आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड और समारोह देख सकें। बयान के मुताबिक यात्रियों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सुबह छह बजे तक 30 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें चलेंगी, जिसके बाद शेष दिन के लिए नियमित समय सारिणी का पालन किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाने तथा अंतिम समय में होने वाली किसी भी असुविधा से बचने के लिए सुबह की मेट्रो सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

महिला सुरक्षा के लिए ऑप्रेशन मेरी सहेली की पहल, विशेष महिला सुरक्षा टीम और उनकी प्रभावशीलता

नई दिल्ली, जनवरी : भारतीय रेलवे ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल शुरू की हैं, जो न केवल महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त भी बनाती हैं। ऑप्रेशन मेरी सहेली 2020 में शुरू किया गया था, जो महिला यात्रियों, विशेषकर अकेली यात्रा करने वाली महिलाओं, बच्चों के साथ यात्रा करने वाली माताओं, और वृद्ध महिलाओं के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके तहत 249 समर्पित टीमें राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही हैं, जो महिला यात्रियों से यात्रा के दौरान संपर्क बनाए रखती हैं और उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुँचने को सुनिश्चित करती हैं। इसके अतिरिक्त, विशेष महिला सुरक्षा टीम जैसे शक्ति और दुर्गा वाहिनी टीमें, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों पर गश्त करती हैं, जो महिलाओं के बीच सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देती हैं।

ऑप्रेशन मातृ शक्ति और ऑप्रेशन नन्हे फरिश्ते जैसी पहलें गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। ऑप्रेशन मातृ शक्ति के तहत आर.पी.एफ. महिला कर्मी ट्रेनों में प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिलाओं की मदद करती हैं, और ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते बच्चों को बचाने का काम करता है, जिनमें 2024 में 4528 लड़कियां बचाई गई। इसके अलावा, ऑपरेशन डिग्निटी और मिशन जीवन रक्षा जैसी पहलें महिलाओं और बच्चों की जान बचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। आर.पी.एफ. में महिला कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो न केवल सुरक्षा के मोर्चे पर काम करती हैं, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में भी उभर कर सामने आई हैं। महिला कर्मियों की संख्या में बढ़ोतरी, जैसे अरोमा सिंह ठाकुर और सारिका मोहन जैसे प्रमुख महिला अधिकारियों का योगदान, भारतीय रेलवे में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है।

मुथूट फाइनैंस ने महाकुंभ प्रयागराज में विश्वास की तिजोरी की शुरुआत की, सुरक्षा के लिए नि:शुल्क लॉकर सुविधा

नई दिल्ली, जनवरी : मुथूट फाइनैंस ने विश्वास की तिजोरी नामक एक अनोखी नि:शुल्क लॉकर सुविधा की शुरुआत की है, जो महाकुंभ प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए है। इस सुविधा का उद्देश्य श्रद्धालुओं के व्यक्तिगत सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, क्योंकि महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। विश्वास की तिजोरी में आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं जैसे 24/7 सुरक्षा कर्मी, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशामक यंत्र और अन्य उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, श्रद्धालुओं और उनके सामान की फोटो खींचने, प्रिंटेड सत्यापन पर्चियों और कड़ी निगरानी प्रणालियों का प्रावधान भी किया गया है। इस पहल का उद्घाटन एलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट, ज्वाइंट मैनेजिंग डायरैक्टर, मुथूट ग्रुप ने किया। उन्होंने कहा कि हम गर्व महसूस करते हैं कि महाकुंभ प्रयागराज में श्रद्धालुओं के लिए विश्वास की तिजोरी लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया है।

गणतंत्र दिवस परेड पर नई दिल्ली में निकलेगी झांकी

- महाकुम्भ स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास पर होगी यूपी की झांकी
- यूपी की झांकी में सबसे आगे होगी अमृत कलश की झुकी हुई भव्य प्रतिकृति, जिससे प्रवाहित होगी अमृतधारा

गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी।

नई दिल्ली, जनवरी : गणतंत्र दिवस परेड पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकलने वाली झांकी इस बार ह्यमहाकुम्भह्ल पर होगी। उत्तर प्रदेश की झांकी भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में प्रतिष्ठित महाकुम्भ 2025- स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास को प्रदर्शित करेगी। यह झांकी प्रयागराज में पवित्र गंगा, अविरल यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर हो रहे महाकुम्भ के दिव्य स्वरूप को दर्शाएगी, जो पृथ्वी पर मानवता का सबसे बड़ा समागम है। **समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से भी अवगत होंगे आगंतुक :** ट्रेलर के पैनल पर अमृत (शाही) स्नान के लिए जाते अखाड़ों और श्रद्धालुओं को म्यूरल एवं एलईडी स्क्रीन के द्वारा दर्शाया जाएगा। ट्रेलर के प्लेटफार्म पर समुद्र मंथन की पौराणिक कथा को चित्रित किया जाएगा, जो महाकुम्भ के महत्व और इसकी ऐतिहासिकता को रेखांकित करती है। इसके पिछले हिस्से में समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों को दर्शाया गया है। इसमें हलाहल विष, कामधेनु, उच्चैश्रवा घोड़ा, ऐरावत हाथी, कौस्तुभ मणि, कल्पद्रुम, रंभा अप्सरा, लक्ष्मी, वारुणी, चंद्रमा, पारिजात वृक्ष, शंख, धन्वंतरि, अमृत शामिल हैं।

सुरक्षा व क्राउड मैनेजमैंट को आईसीसीसी के माध्यम से प्रमुखता से दिखाया जाएगा :

झांकी के माध्यम से ह्यमहाकुम्भ 2025ह्ल के आयोजन में अपनाई जा रही टेक्नोलॉजी, प्रबंधन और डिजीटलीकरण को भी दर्शाया जाएगा। इसके लिए हाईटेक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) को प्रमुखता से दिखाया गया है, जो सुरक्षा और क्राउड मैनेजमैंट का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके साथ ही एलईडी के माध्यम से महाकुम्भ पर्व स्नान को जाते अखाड़ों के जुलूस को प्रसारित किया जा रहा है।

देश-विदेश के श्रद्धालु करेंगे दीदार

2025 का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन महाकुम्भ अध्यात्म, धरोहर, विकास और डिजीटल प्रगति का संगम है। इस झांकी के केंद्र में भी यही है। ट्रैक्टर के आगे ह्यअमृत कलशह्ल की आगे झुकी हुई भव्य प्रतिकृति दर्शाई गई है, जिससे अमृतधारा प्रवाहित हो रही है। साथ ही शंखनाद, आचमन और साधना करते साधु-संत और संगम में डुबकी लगाते श्रद्धालु महाकुम्भ की आध्यात्मिक ऊर्जा को जीवंत कर रहे हैं। योगी सरकार के नेतृत्व में हो रहे अभूतपूर्व आयोजन का दीदार देश-विदेश से आए आगंतुक भी करेंगे।

रची जा रही केजरीवाल की हत्या की साजिश

आप का बड़ा आरोप, चुनाव आयोग से की शिकायत

दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल पर कई हमलों का आरोप लगाते हुए भारत चुनाव आयोग से शिकायत की है। सीएम आतिशी ने कहा कि इस साजिश के पीछे दो खिलाड़ी हैं- एक हैं बीजेपी के कार्यकर्ता जो दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हैं और उन पर पथराव करते हैं, दूसरा खिलाड़ी दिल्ली पुलिस है जो बीजेपी और अमित शाह के अधीन आती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और दिल्ली पुलिस की मिलीभगत से अरविंद केजरीवाल की हत्या की साजिश रची जा रही है। दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग के निदेर्शों के बाद उनकी सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को वापस लेने पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह शुद्ध राजनीति है। यह खेदजनक है कि व्यक्तिगत सुरक्षा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। कम से कम सुरक्षा और संरक्षा पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।' पंजाब पुलिस प्रमुख ने गुरुवार को घोषणा की कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस कर्मियों को वापस ले लिया गया है। यह फैसला उन खबरों के बाद लिया गया है कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से संपर्क किया था। केजरीवाल की सुरक्षा का जिम्मा अब दिल्ली पुलिस संभालेगी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने पटियाला में संवाददाताओं को बताया कि समय-समय पर हमें मुख्यमंत्री भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को धमकियों की खबरें मिलती रहती हैं और हम उन्हें संबंधित एजेंसियों के साथ साझा करते हैं। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि आज दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग के निदेर्शों का पालन करते हुए हमने केजरीवाल जी की सुरक्षा में पंजाब पुलिस को हटा लिया। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें अपनी चिंताएं बताईं।' हम उनके संपर्क में रहेंगे। हम अपने इनपुट दिल्ली पुलिस के साथ साझा करेंगे। इस बीच, केजरीवाल ने गुरुवार को दावा किया कि हरि नगर निर्वाचन क्षेत्र में एक सार्वजनिक रैली के दौरान उनकी कार पर हमला किया गया था और उन्होंने इस 'सुनियोजित' हमले के लिए दिल्ली पुलिस के साथ-साथ गृह मंत्री अमित शाह को भी जिम्मेदार ठहराया।

यह मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर आई हूँ: सुप्रिया श्रीनेत

नई दिल्ली। यह मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर आई हूँ, जिससे कि गिरे हुए रुपए और गिरी हुई प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा को ढूँढ सकूँ. आप भी खरीद लीजिए काम आयेगा. रुपया सम्भाले सम्भल ही नहीं रहा है - शतक लगाने पर आमादा है – अरे मोदी जी सेंचुरी नहीं लगवानी है रुपये से - याद है ना एक महान अर्थशास्त्री ने कहा था जैसे-जैसे रुपया गिरता है, प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा गिरती है सुना प्रधानमंत्री आवास पर खुदाई चल रही है - गर्त में जा चुकी प्रतिष्ठा को ढूंढा जा रहा है खैर, रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर आकर अब 87 पार करने ही वाला है। याद रहे जब मई 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब 1 डॉलर की कीमत 58 रुपए थी जिसको वो 87 पर ले आए हैं - मतलब उनकी नाक के नीचे 29 रुपये की ऐतिहासिक गिरावट, 50% की ऐतिहासिक गिरावट हुई है। और ऐसा नहीं है कि रुपए को मजबूत करने के लिए कुछ किया नहीं गया है - बहुत कुछ किया गया है - RBI ने पिछले सितंबर से अभी तक करीब 80 billion डॉलर मतलब लगभग 6 lakh 91,000 करोड़ से ऊपर रुपए फूंके दिए पर रुपए को बचा नहीं पाये विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 में 704 billion डॉलर था जो लगातार घटते घटते 625 billion डॉलर पर पहुँच गया है, जो कि 10 महीने में सबसे कम भंडार है. ऐसा

इसलिए हुआ क्योंकि फ्रेंक ने लगभग 79 बिलियन डॉलर रुपए को बचाने में खर्च दिए और फिर भी रुप्या संभला नहीं। इससे पहले की मोदी जी रुपए गिरने के लिये भी सारा दोष नेहरू जी पर मढ़ दें तो यहाँ बताना जरूरी है कि जैसे कर्ज.लेने में मोदी जी ने बाजी मार ली है रुपए को गिराने में भी उन्होंने पहले के सभी प्रधानमंत्रियों को पछाड़ दिया है। अगर आप यह देखें - कि अंग्रेज रुपया कहाँ छोड़ कर गए और आज वो कहाँ आ गया है तो करीब 83-84 रुपए की गिरावट हुई. अब सुनिए किस प्रधानमंत्री की उस गिरावट में कितनी भागीदारी रही।

समाचार

हसनपुर आदर्श नगर पालिका बोर्ड की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर बनी सहमति

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर के सभागार कक्ष में नगर पालिका बोर्ड की बैठक शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो गई तथा बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा के बाद सहमति बनी, बैठक की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने की तथा संचालन अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह द्वारा किया गया, बैठक में 26 जनवरी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लाह के साथ गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष और भी अधिक भव्यता के साथ मनाए जाने पर सहमति बनी वहीं, जल निकासी,पेयजल आपूर्ति, आदर्श नगर पालिका कार्य योजना, बंधन कार्य योजना, जल निकासी, ओवरहेड टैंक आदि अनेक योजनाओं के प्रस्ताव शासन को भेजे जाने को लेकर सहमति बनी वहीं, बैठक में सभी सभासदों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर चर्चा की गई जिसमें से लगभग सभी सभासदों के प्रस्ताव पर अध्यक्ष द्वारा विचार करने का आश्वासन दिया गया, इस मौके पर अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने तथा अध्यक्ष राजपाल सैनी ने सभी को उत्तर प्रदेश दिवस एवं महाकुंभ तथा 26 जनवरी की शुभकामनाएं दी, इस मौके पर मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी सभासद मुन्ना चौहान, शाहनवाज अंसारी, हम्जा अली, राहुल सैनी, नितिन सैनी, राजपाल सैनी, शुभम अग्रवाल, दीपक कुमार तथा बाबू करन सिंह, बाबू दिनेश कुमार आदि सहित नगर पालिका का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

भव्य महाकुम्भ का दिव्य ड्रोन शो, श्रद्धालुओं का मोह लिया मन

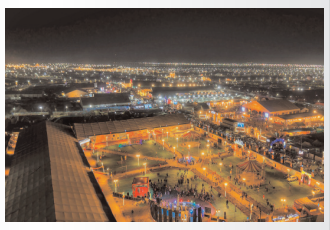

महाकुम्भनगर, 24 जनवरी : महाकुम्भ को भव्य और दिव्य बनाने के योगी सरकार के संकल्प को साकार करते हुए शुक्रवार को सेक्टर 7 में अद्भुत ड्रोन शो का आयोजन किया गया। यूपी पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस शो में सैकड़ों ड्रोन की मदद से आसमान में जीवंत आकृतियों का प्रदर्शन किया गया। ड्रोन शो में श्रद्धालुओं ने देवताओं को अमृत कलश पीते हुए देखा। इसके साथ ही समुद्र मंथन की दिव्य झांकी ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यूपी दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक झांकी ने शोभा बढ़ाई। ड्रोन के जरिए आसमान में महाकुम्भ और उत्तर प्रदेश सरकार का लोगो उकेरा गया, जिसने सभी को आकर्षित किया। शंख बजाते हुए साधु और संगम में स्नान करते हुए संन्यासी की छवि भी बेहद आकर्षक रहीं।

>>> आसमान में फहराया तिरंगा

ड्रोन शो का मुख्य आकर्षण विधानसभा भवन पर लहराता तिरंगा रहा। यह दृश्य देशभक्ति और गर्व से भरा हुआ था। इस ड्रोन शो के माध्यम से महाकुम्भ के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी बड़ी खूबसूरती से प्रदर्शित किया।

महाकुम्भ मेला क्षेत्र में निकाली गई स्वच्छता जागरूकता रैली

24 जनवरी, महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 को दिव्य भव्य के साथ स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ बनाने का संकल्प यूपी की योगी सरकार ने लिया है। सीएम योगी के निर्देश पर बनाये गये स्वच्छ कुम्भ कोष से लगभग 15000 स्वच्छताकर्मी और 1800 से अधिक गंगा सेवा दूत महाकुम्भ में पूरे मेला क्षेत्र को स्वच्छ बना रहे हैं। इसके साथ ही पूरे मेला क्षेत्र में सिंगल यूज्ड प्लास्टिक को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसी क्रम में महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संदेश देने के लिए स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें 200 से अधिक गंगा सेवादूत और स्वच्छता कर्मियों ने भाग लिया।

›› 200 से अधिक गंगा सेवादूतों और स्वच्छता मित्रों ने लिया हिस्सा

स्वच्छ और स्वस्थ्य महाकुम्भ अभियान को सफल बनाने की दिशा में मेला क्षेत्र में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली मेला प्राधिकरण की सैनिटेशन टीम ने निकाली, जिसमें 200 से अधिक गंगा सेवादूतों और स्वच्छता मित्रों ने भाग लिया। 'स्वच्छता जागरुकता रैली' का उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना और मेला क्षेत्र को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाना था ' रैली मेला क्षेत्र सेक्टर 1 के काली मार्ग झ जवाहर लाल नेहरू मार्ग तिराहे से शुरू होकर लाल मार्ग ,त्रिवेणी मार्ग, संगम वापसी मार्ग ,अक्षय वट मार्ग होते हुए सेक्टर 3 के संगम नोज पर समाप्त हुई ।

सड़क हादसे में दो व्यापारियों की मौत,शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन, गिरफ्तारी में देरी का आरोप।

संवाददाता मंजीत शर्मा

पीलीभीत बिलसंडा। थाना बिलसंडा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने लकड़ी व्यापारियों की जान ले ली। गुरुवार सुबह भीकमपुर गांव के बकानिया मोड़ के पास यह घटना हुई। एक अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल पर सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान एक युवक बिल्लू ने भी दम तोड़ दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद जब परिजनों को मृतकों के शव सौंपे गए, तो आकर्षित परिजनों और ग्रामीणों ने दोनों शवों को हाईवे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि वाहन चालक की लापरवाही से हादसा हुआ है और पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने में देरी कर रही है परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कि पुलिस गिरफ्तार करने में देरी कर रही है। जनपद पीलीभीत के थाना बिलसंडा क्षेत्र की है पूरी घटना जहां आक्रोशित परिजनों ने डेडबॉडी हाईवे पर रखकर जाम लगाया, सड़क हादसे में दो व्यापारियों की मौत, पुलिस पर गिरफ्तारी में देरी का आरोप।

26 जनवरी के स्वागत के लिए दुल्हन की तरह सज गई आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद हसनपुर का परिदृश्य शुक्रवार की रात देखने लायक रहा, 26 जनवरी के स्वागत के लिए नगर पालिका को दुल्हन की तरह सजाया गया है नगर पालिका को दुल्हन की तरह सजा हुआ देखकर आने जाने वाले राहगीर रुक-रुक कर नगर पालिका को निहार रहे थे तथा वीडियो व सेल्फी भी ले रहे थे, बता ते चले कि अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह तथा आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी के द्वारा इस वर्ष नगर पालिका परिषद में गणतंत्र दिवस का पर्व और भी भव्यता व सौम्यता के साथ मनाए जाने का संकल्प साकार होता दिख रहा है जिसकी अनुमान शुक्रवार की रात्रि दुल्हन की तरह सजी नगर पालिका को देखकर आसानी से लगाए जा सकता है, पूरी नगर पालिका जगमगाती हुई झालरों की रोशनी से देखने लायक प्रतीत हो रही थी वही जगह-जगह नगर पालिका द्वारा खंबो आदि पर तिरंगा लाइट लगाई गई जो नगर में आकर्षण का केंद्र बन रही है, वही अंबेडकर पार्क को भी विशेष रूप से सजाया गया है जहां एक और पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी और अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह के तालमेल के चलते नगर पालिका के विकास को पंख लग गए हैं, वही 24 तारीख शुक्रवार को पालिका बोर्ड की बैठक में विभिन्न विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा हुई थी बैठक में हसनपुर नगर को कैसे सुंदर बनाया जाए, क्या-क्या जन सुविधा और जनता को उपलब्ध कराई जाए तथा हसनपुर में रोजगार के अवसर किस प्रकार से और उत्पन्न किए जाएं आदि को लेकर भी बोर्ड की बैठक में सभासदों की मौजूदगी में चर्चा हुई थी तथा सभासदो द्वारा दिए गए प्रस्तावों को भी मंजूर किया गया है इस संबंध में अधिशासी अधिकारी ने बताया कि हसनपुर नगर पालिका के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी तथा सभी विकास कार्य धरातल पर नजर आएंगे, वहीं पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने बताया कि उनका प्रयास रहेगा की नगर पालिका परिषद हसनपुर प्रदेश की नंबर एक आदर्श नगर पालिका के रूप में जानी जाए तथा उन्होंने नगर पालिका परिषद के विकास कार्य में जन सहयोग की अपेक्षा की हैं,जनता से किए गए अपने वादे को भी उनके द्वारा पूरा किया जा रहा है ' उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र के अंदर प्रवेश करने पर आपको महानगर में प्रवेश करने जैसी अनुभूति होगी तथा प्रत्येक रोड दुरुस्त मिलेगा तथा सड़कों का जाल भी क्षेत्र में भी बिछाया जा रहा है।

भारतीय किसान यूनियन भानू ने मासिक पंचायत के बाद सी ओ एवं एस डी एम को ज्ञापन सौंप

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन भानू की मासिक बैठक एसडीएम कार्यालय के सामने मैदान में आयोजित की गई जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई तथा एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम संबोधित करते हुए एसडीएम विभा श्रीवास्तव पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत को दिया गया, बैठक की अध्यक्षता लोकेश चौहान ने की तथा संचालन राजीव चौहान द्वारा किया गया, ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि घरेलू विद्युत कनेक्शन के जो मीटर खराब हो जाते हैं उनकी जांच के नाम पर विद्युत मीटर लेब में तैनात कर्मियों द्वारा अवैध रूपों की मांग की जाती है रिश्वत न देने पर रिपोर्ट गलत लगाकर उपभोक्ताओं को भारी नुकसान पहुंचा जा रहा है अतः इस कृत्य को रोकने की मांग की गई है, इसके साथ गांव जयतोली पिपलोती तथा रजोहा में बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान है जिन्हें शीघ्र पकड़वाकर कहीं और छुड़ाबाया जाए, साथ ही आवारा गोवंश पशु द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है उन्हें पकड़वाकर शीघ्र गौशाला भिजवाया जाए, साथ ही किसान आयोग का गठन किए जाने की भी मांग की गई है, एवं गन्ने का मूल्य शीघ्र अति शीघ्र घोषित किए जाने व अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को दिया गया है, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से हसीन चौधरी, बाके सिंह, हाशिम चौधरी, जमशेद चौधरी, लवकुश कुमार, आसिफ अली, कलुआ, हरपाल सिंह, राजीव सिंह, लोकेश चौहान, गोविंद सिंह, मोहम्मद जीशान आदि सहित दर्जनों की संख्या में भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा नेता हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हसनपुर तहसील के अंतर्गत रहरा थाना क्षेत्र में 20 जनवरी को सपा नेता इशरत अली की हत्या का खुलासा कर दिया, पुलिस ने तीन आरोपियों रिहान, विकार और सलीम को गिरफ्तार कर लिया तथा मुख्य आरोपी नाजिम सहित तीन आरोपी अभी फरार हैं, पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी नाजिम अपनी चुनावी हार का कारण मृतक इशरत अली को मानते हुए उससे रंजीश रखने लगा था, वही आगामी ग्राम प्रधान चुनाव से पहले सभी आरोपियों ने इशरत अली की हत्या की साजिश रच रखी थी जिसके चलते जब 20 जनवरी को इशरत अली मेहरपुर से जयतोली लौट रहे थे तब आरोपियों ने उन्हें गन्ने के खेत में ले जाकर गोली मार दी, इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक सैमसंग का मोबाइल फोन बरामद किया गया है, बता दे कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अमित कुमार आनंद ने स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया था तथा पुलिस क्षेत्र अधिकारी दीप कुमार पंत वह थाना अध्यक्ष रहरा अलका चौधरी को कई टीमों के साथ जल्द से जल्द मामले के खुलासे के लिए लगाया गया था तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत की कार्यशैली तथा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मात्र तीन दिन में ही पुलिस ने हत्या का खुलासा कर दिया, वही फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगी हुई है, एवं गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

आर0 टी0 आई 0 कार्यकताओं पर दिनप्रतिदिन हो रहे जानलेवा हमले,व्यापक प्रचार-प्रसार की कमी के दुष्परिणामः अली अहमद सैफी

अली अहमद सैफी आर0 टी0 आई0 कार्यकर्ता

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। हसनपुर तहसील क्षेत्र के कस्बा हसनपुर निवासी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अली अहमद सैफी जोकि आर0 टी0 आई0 कार्यकर्ता होने के साथ-साथ स्वयं सामाजिक न्याय सरोकार के लिएं एक नहीं दो-दो राज्य में सर्व समाज के दवे-कुचले गरीब.निरधन असहाय व्यक्तियों की जटिल से जटिल मूल-भूत समस्याओं के स्थाई समाधान के लिएं ऑफिस चला रहे हैं। और बिना किसी ऊंच-नीच व भेद-भाव के सर्व समाज की जन समस्याओं को स्थाई रूप से सभी विभागीय कार्य-पटलों से सुलझाने का कार्य कर समस्त आम जनमानस को मान्सिक व आर्थिक रूप से भायदा पहुंचाने के लिएं कार्यरत रहते हुए अपना जीवन यापन कर रहे हैं। और ऐसा कोई एक या दो वर्ष से नहीं बल्कि पिछले लग-भग बीस वर्ष से लगाकर कार्य कर रहे है! वो भी लिखित रिकॉर्ड रखते हुए! इस सामाजिक न्याय सरोकार की कानूनी लड़ाई के बारे में दैनिक लोक तंत्र की शान समाचार पत्र के जिला प्रभारी प्रवीण अग्रवाल से एक प्रेस वार्ता के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अली अहमद सैफी ने सूचना अधिकार अधिनियम 2005 कानून के अंतर्गत कार्य करने के विषय में बात करने पर बताया की सूचना अधिकार कानून 2005 की न तो आम जनमानस को ठीक से जानकारी है और न ही इस ओर पिछले अनेंको वर्ष से राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार ही व्यापक प्रचार-प्रसार ही करा रही है। जिसके दुष्परिणाम स्वरूप जानकारी के आभाव में भ्रष्टाचार मे लिप्त लोक प्राधिकारी आर0 टी0 आई0 कार्यकताओं पर जानलेवा हमले कराने का अनुचित व अति निदंनीय कार्य कर जन कल्याणकारी सूचना अधिकार कानून 2005 को कमजोर करने का असफल प्रयास कर रहे हैं।आर0 टी0 आई0 कार्यकताओं की सुरक्षा व्यवस्था के सवाल के जवाब मे सैफी ने बताया की सूचना अधिकार कानून 2005 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के अंतर्गत यदि किसी सूचना मांगने वाले साधारण व्यक्ति को भी संबंधित राज्य लोक प्राधिकारी या उनके अधिनष्तों के द्वारा आवेदन से लेकर संबंधित सूचना प्राप्ति तक धमकाया जाये तो वह पीड़ित व्यक्ति/आवेदक अपने जिले के जिलाधिकारी अथवा पुलिस अधीक्षक को लिखित रूप में स्वयं को धमकाये जाने से संबंधित ऑडियो-वीडियो या किसी अन्य ठोस गवाहन को साक्ष्य के रूप में पेश करते हुए अपनी जान-माल की सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर सकता है! जिसके लिएं बाकायदा समय-समय पर राज्य सरकार के द्वारा समस्त जिलों के जिलाधिकारियों/पुलिस अधीक्षकों को कानूनी प्रावधानो के अनुसार लिखित निर्दोश/आदेश जारी किए जाते रहें हैं कि वह आर0 टी0 आई0 कार्यकताओं को सम्पूर्ण सुरक्षा प्रदान कराने का कार्य करें! ताकि आर0 टी0 आई0 कार्यकताओं के ऊपर होने वाले घातक हमलो व निर्मम हत्याओं को रोका जा सके! तथा दौषी राज्य लोक प्राधिकारी तथा अन्य किसी भी धमकाने असमाजिक तत्वों से सख्ती के साथ निपटा जाकर जेल की चार दिबारी के अंदर कैद किया जा सके! जिसके बाद बेखौफ होकर आम जनमानस भारतीय सूचना अधिकार कानून का प्रयोग करते रहें!

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में बच्चों को दिए गए सड़क सुरक्षा के टिप्स

शुक्रवार को इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

तौफीक खान संवाददाता बस्ती

कप्तानगंज बस्ती। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग की प्रेरणा से सागर सेवा ट्रस्ट की ओर से विद्यालयों मैं चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को कप्तानगंज स्थित इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में बच्चों को सड़क सुरक्षा की जानकारी देते हुए शपथ दिलाई गई। जनवरी माह में चलाए जा रहे हैं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत लगातार विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में शुक्रवार को सागर सेवा ट्रस्ट की ओर से कप्तानगंज के इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में ट्रस्ट के अध्यक्ष हाइवे देवदूत प्रमोद ओझा की ओर से जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा रहा है।जिसमें शिक्षकों के साथ ही छात्र छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई और उन्हें नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया। छात्रों को सड़क पर सुरक्षित चलने, सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने की जानकारी दी गई। साथ ही प्रेरित किया गया कि अपने अभिभावकों को हेलमेट और सीटबेल्ट के लिए जागरूक करें। 18 वर्ष से कम आयु के हैं तो वाहन न चलाएं। सरकार की ओर से 26 जनवरी से नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान में भी सहभागी बनने की अपील करते हुए छात्र-छात्राओं से अपील किया गया कि वह अपने परिवार के लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। श्री ओझा ने देश में बढ़ते सड़क हादसों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं और देश का भार अप पर है। अगर आपके पिता सुरक्षित हैं तो आपका परिवार खुशहाल है।ऐसे में अपने परिवार की खुशहाली के लिए अगर आपके परिवार का कोई भी सदस्य मोटरसाइकिल से बिना हेलमेट के निकल रहा है तो उसे टोकें और रोकें। जिससे सड़क हादसे में कमी लाई जा सकें। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अपील करते हुए छत्र छात्रों से ट्रस्ट के अध्यक्ष ने कहा कि सरकार का नो हेलमेट नो फ्यूल व्यवस्था लागू करने के पीछे का उद्देश्य लोगों को परेशान करना नहीं है बल्कि लगातार हो रहे सड़क हादसे को कम करना है। ऐसी स्थिति में युवा आगे आएं जिससे सड़क हादसो मे कमी लाई जा सके।

उत्तर प्रदेश दिवस राज्य की समृद्धि और गौरव का उत्सव है- सीएम योगी

लखनऊ, 24 जनवरी। उत्तर प्रदेश की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को समर्पित उत्तर प्रदेश दिवस का भव्य शुभारंभ लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में हुआ। 24 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय समारोह का उद्घाटन देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के ई-पोर्टल की लॉन्चिंग की गई और 25,000 युवा उद्यमियों को उनके उद्यम की स्थापना के लिए ऋण और स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। साथ ही प्रदेश छह लोगों को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस राज्य की समृद्धि और गौरव का उत्सव है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यूपी में महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। बीते 10 दिनों में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पूज्य संतों के सानिध्य में गंगा स्नान कर पुण्य प्राप्त किया। यह श्रद्धालु यहां से देशभर में एकता का संदेश लेकर जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में निर्मित संविधान 26 नवंबर 1950 को संविधान सभा को सौंपा गया था। इस संविधान को लागू करने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। साथ ही 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश की स्थापना हुई थी। यह दिन हमारे लिए गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है।

प्रयागराज का महाकुम्भ देख पूरी दुनिया आश्चर्यचकित : जगदीप धनखड़

लखनऊ, 24 जनवरी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आठ साल में यूपी उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि वे दृढ़संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति ने महाकुम्भ की चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में अपराध में आई गिरावट की तारीफ की और कहा कि इससे ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में उल्लेखनीय उछाल आया है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस विचार को पूरे देश ने अपना समर्थन दिया है। उप राष्ट्रपति ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की।

यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश

उप राष्ट्रपति शुक्रवार को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ जी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और आगामी एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुम्भ में डुबकी लगाउंगा। ये मेरे लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि सीएम योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2018 से राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

कैथल

आरकेएसडी कालेज में अनुच्छेद 370 के बाद विषय पर होगा सेमिनार

विवरणिका का कवमोचन करते हुए प्राचार्य।

कैथल, जनवरी : आरकेएसडी महाविद्यालय में जम्मू कश्मीर धारा 370 के बाद विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा 24 से 25 फरवरी को आयोजित किए जाने वाले इस राष्ट्रीय सेमिनार के विवरणिका का विमोचन प्राचार्य डा. संजय गोयल ने किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीओम, डा. अशोक अत्रि, डा. सुरेंद्र सिंह, डा. विरेन्द्र सिंह, डॉ. विनोद मान एवं डा. अनुकृति भी उपस्थित रहे। यह आयोजन हाईब्रिड मोड में होगा। हरियाणा राज्य के शोधकर्ता एवं विशेषज्ञ कालेज में उपस्थित रहकर शोध मिमांशा करेंगे। इसमें प्रो. टंकेश्वर प्रसाद, कुलपति केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, प्रो. राजबीर यादव पूर्व कुलपति बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक एवं प्रो संतोष कुमार जेएनयु व्यक्तत्व देंगे। सेमिनार के पश्चात प्राप्त पेपर को सेमिनार प्रोसिडिंग्स एवं पुस्तक के रूप में प्रकाशित भी किया जाएगा। पेपर भेजने की अंतिम तिथि 30 जनवरी निर्धारित की गई है।

जिला एफएल समन्वयक नरेश कुमार ने किया प्यौदा का दौरा

बच्चों से बात करते हुए नरेश कुमार।

कैथल, जनवरी : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के तहत शिक्षा विभाग हरियाणा के आदेशानुसार प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पहली, दूसरी व तीसरी का लर्निंग लेवल की जांच करनी होती है। इसी के तहत जिला कोऑर्डिनेटर नरेश कुमार ने प्यौदा स्कूल की पहली, दूसरी व तीसरी कक्षा के छात्रों के लर्निंग लेवल को चैक किया। नरेश कुमार ने बताया कि सभी बच्चों से जो भी प्रश्न किए बच्चों ने सही-सही उतर दिया। सभी शिक्षकों ने दैनिक डायरी लिखी हुई थी। चौथी कक्षा के विद्यार्थियों देवदत्त व पल्लवी को निपुण रिपोर्टर में हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बच्चों व स्टाफ को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य शिक्षक ओम प्रकाश, रामफल, रेखा रानी, प्रवीण कुमारी, नरेश कुमारी व सपना यादव मौजूद थे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

नेता जी को नमन करते हुए छात्राएं।

कैथल, जनवरी : इंदिरा गांधी पीजी महिला महाविद्यालय कैथल में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने वाले महानायक वीर सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि प्रबंधक समिति के प्रधान राम बहादुर खुरानिया ने शिरकत की। सर्वप्रथम कॉलेज के प्रधान व प्राचार्या डॉ. आरती गर्ग ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए व उन्हें नमन किया। प्रधान ने कहा कि उनके अद्वितीय संघर्ष और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कॉलेज प्राचार्या ने भी सभी को उनकी बुद्धि और शूरवीरता से अवगत करवाया। मौके पर प्रो. अलका गोयल, प्रो. साक्षी प्रो. निर्मल, प्रो. राधिका और प्रो. रश्मि उपस्थित रहे।

प्रशासन ने नशा मुक्ति के प्रचार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया कार्यक्रम

ग्रामीणों को नशा विरोधी शपथ दिलाते हुए।

गुहला-चीका, जनवरी : एसडीएम कृष्ण कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी नशा मुक्ति के प्रचार-प्रसार को जन-जन तक पहुंचाएं। युवाओं को नशे से बचाने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। आमजन भी प्रशासन द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। एसडीएम कृष्ण कुमार ने कहा कि उपमंडल गुहला में नशा मुक्ति के प्रचार के लिए शेड्यूल भी बनाया गया है जिसके माध्यम से शहर व ग्रामीण क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। तहसीलदार गुहला, संबंधित पटवारी व नंबरदार इन निर्धारित कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे। पुलिस विभाग की तरफ से उप-पुलिस अधीक्षक, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, ग्राम सचिव, सरपंच व पंच भी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे तथा उनके द्वारा दिए जाने वाले सुझावों के माध्यम से एक नई रूप रेखा तैयार की जाएगी। शिक्षा विभाग से खंड शिक्षा अधिकारी गुहला के साथ-साथ संबंधित स्कूल के मुखियाओं, महिला एवं बाल विकास विभाग से सीडीपीओ गुहला संबंधित गांव की आंगनवाड़ी वर्कर, हैल्पर व सुपरवाईजर भी इन कार्यक्रमों में शामिल होंगी। एसडीएम ने नशा मुक्ति के प्रचार के लिए उप-पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, सीनियर सिविल सर्जन, ड्रग इंस्पेक्टर, खंड शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पीपीपी की आय सत्यापन में लगी अध्यापकों की ड्यूटी को हटाया जाए : विजेंद्र

विजेन्द्र मोर।

कैथल, जनवरी : डैमोक्रेटिक स्कूल टीचर एसोसिएशन हरियाणा के राज्य प्रधान विजेंद्र मोर, राज्य महासिचिव सुनील यादव और प्रेस प्रवक्ता बूटा सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस की नोट जारी करते हुए कहा कि जनवरी व फरवरी महीना विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए सबसे अहम होता है। ऐसे में हरियाणा प्रदेश में शिक्षा विभाग द्वारा अध्यापकों एवं प्राध्यापकों की ड्यूटी बिना सोचे समझे घर घर-घर जाकर परिवार पहचान पत्रों की आय सत्यापन करने में लगा दी है जो कि विद्यार्थियों के साथ घोर अन्याय है। प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मोर ने इस पर कड़ा एतराज जताते हुए इन आदेशों की घोर निन्दा की है। राज्य महासचिव सुनील यादव ने कहा कि एचकेआरएन की अध्यापकों की 6 महीने से वेतन न मिलाना भी एक दुर्भाग्य की बात है। उनका इतना कम वेतन और वह भी पिछले 6 महीने से नहीं मिल रहा। ऐसे में अध्यापकों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए उनका वेतन जल्दी जारी किया जाए।

सड़क सुरक्षा नियमों व कानूनों का पालन करना जरूरी:- रेनू सिलग

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। नेहरू युवा केंद्र करनाल और माय भारत द्वारा जिला युवा अधिकारी रेनू सिलग के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन 17 जनवरी से 23 जनवरी, 2025 तक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और यातायात नियमों के पालन को प्रोत्साहित करना था। जिसके तहत आज दिनांक 23 जनवरी 2025 को नेहरू युवा केंद्र करनाल एवं माय भारत के युवा स्वयंसेवकों ने करनाल शहर में अंबेडकर चौक, कुंजपुरा रोड, हॉस्पिटल चौक और सेक्टर 12 के चौक पर जाकर यातायात पुलिस के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया गया। नेहरू युवा केंद्र करनाल की जिला युवा अधिकारी ने बताया कि 17 जनवरी से 23 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया है। इसी के तहत स्वयंसेवकों ने वाहन चालकों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हमें सर्दी के मौसम में वाहन ध्यानपूर्वक चलाना चाहिए। युवाओं ने बताया कि हम सुरक्षित तो पूरा परिवार सुरक्षित इस मानसिकता के साथ वाहन चलाकर सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचे। जागरूकता अभियान में 18 वर्ष पूर्व बिना लाइसेंस के वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, घायलों की सदैव मदद करने, इमरजेंसी वाहनों को रास्ता देने, यातायात सिंग्नल तथा संकेत का पालन करने, वाहनों के पीछे हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगवाने के साथ -साथ सदैव यातायात नियमों का पालन करने के लिए जन जागरूक किया। यदि कोहरा पड़ रहा है तो रिफ्लेक्टर टेप वाहनों पर लगाने चाहिए क्योंकि यह दूर से चमकता है और हादसा होने से बचाव करता है। इसके अलावा सड़कों पर लगाई गई सफेद पट्टी के अनुसार ही वाहनों को चलाना चाहिए। उन्होंने लोगों से आवाहन किया कि सड़कों पर दुर्घटना का शिका।

51 गरीब कन्याओं का राज्यस्तरीय सामूहिक विवाह समारोह 23 मार्च को हिसार में : राजकुमार गोयल

बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा यह समारोह

>>> पूरे रीति-रिवाज के अनुसार धूमधाम से संपन्न होगा यह समारोह

>>> गाजे-बाजे के साथ शहर में निकाली जाएगी 51 दुल्हों की भव्य बारात

करनाल बीटू संधू

हरियाणा। अग्रवाल विकास संगठन के प्रांतीय प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रमुख समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने बताया कि आगामी 23 मार्च को अग्रसेन भवन हिसार में 51 जरूरतमंद कन्याओं का राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। विवाह समारोह पूरे रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न होगा। इससे पहले गाजे-बाजे के साथ 51 दुल्हों की भव्य बारात शहर में निकाली जाएगी। हजारों लोग इस भव्य समारोह के साक्षी बनेंगे। यह समारोह हरियाणा अग्रवाल विकास संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। गोयल ने बताया कि इस समारोह में दुल्हन को हर वह जरूरत का घरेलु सामान दिया जाएगा जो एक पिता अपनी बेटी की शादी की विदाई के समय देता है। घरेलू जरूरत का सामान जैसे डबल बैंड, गद्दे, चादर, स्टील अलमारी, संदूक, चार कुर्सी, मेज, कूलर, 31 पीस बर्तन, प्रैस, एलईडी, दुल्हे की घड़ी, दुल्हन की घडी, दीवार घड़ी, आभूषणों में दुल्हन की चांदी की पाजेब, अंगूठी, चुटकी, चैन, लोकेट, वस्त्रों में 11 पीस लेडीज सूट, 11 पीस जेंट्स सूट, कम्बल, सफारी सूट, लहंगा चुन्नी, अन्य सामग्री में मेकअप का सामान, सूट केस, मिठाई इत्यादि सामान विदाई के समय भेंट किया जाएगा। गोयल ने कहा कि आज के इस महंगाई के दौर में गरीब परिवारों के लिए अपनी बेटियों के विवाह का खर्च उठाना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में सामूहिक विवाह सार्थक साबित हो रहे है। ऐसे सामूहिक विवाह समारोह के आयोजनों से जहां दहेज जैसी सामाजिक बुराईयों से बचने का अवसर मिलता है वही साम

नैशनल वूमेन आइकन अवार्ड से सम्मानित होंगी सशक्त महिलाएं

फिल्म अभिनेता अरुण बक्शी होंगे चीफ गेस्ट

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया एवं ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा अंतरिक्ष परी कल्पना चावला की पुण्यतिथि के अवसर पर नैशनल वूमेन आइकन अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसको लेकर एक बैठक का आयोजन नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा शनिवार 1 फरवरी को डिवेंचर होटल में कल्पना चावला की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप नैशनल वूमेन आइकन अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें फिल्म अभिनेता एवं गायक अरुण बक्शी सेलिब्रिटी चीफ गेस्ट के रूप में शिरकत करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणवी एक्ट्रेस शिखा राघव व अंशु राणा शिरकत करेंगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सशक्त महिलाओं को नैशनल वूमेन आइकन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अवॉर्ड के लिए किसी भी क्षेत्र की सशक्त महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा कल्पना चावला के विश्व को दिए योगदान के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। इस अवसर पर नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया देशभर में अवेयरनेस अगेंस्ट करप्शन के लिए कार्य कर रहा है। फाउंडेशन की टीम देश के सभी राज्यों में स्थित है। फाउंडेशन द्वारा करप्शन फ्री इंडिया अभियान के माध्यम से शिक्षण संस्थानों में करप्शन फ्री इंडिया शीर्षक पर भाषण,स्लोगन, ड्राइंग, निबंध आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, हस्ताक्षर अभियान चलाए जाते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से इंटरनेशनल चीफ डायरेक्टर अजीत राही, नैशनल डायरेक्टर योगिंद्र सिंह कौशिक एवं स्टेट चेयरमैन हरियाणा आशीष मल।

नवनिर्मित सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने कहा कि मतदाताओं की जागरूकता के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार शनिवार 25 जनवरी 2025 को घरौंडा के नवनिर्मित सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे और कार्यक्रम में सभी को शपथ दिलाएंगे । कार्यक्रम का आयोजन सुबह 11 बजे किया जाएगा।

प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में "नैतिक मूल्यों के महत्व" पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने एक प्रेरणादायक लघु नाटिका प्रस्तुत की। नाटिका के माध्यम से नैतिक मूल्यों के महत्व और उनके पालन से जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। छात्रों ने नाटिका के जरिए यह दशार्या कि नैतिक मूल्य सही और गलत के बीच फर्क करने में मदद करते हैं और हमें एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करते हैं। नाटिका में यह भी दिखाया गया कि नैतिक मूल्यों की अनुपस्थिति हमारे जीवन में कई समस्याओं को जन्म दे सकती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की चेयरपर्सन हन्नी चौधरी और निर्देशिका पिथी चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य विकास कुमार ने छात्रों को नैतिक मूल्यों का पालन करने और उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मिशन बुनियाद लेवल-1 परीक्षा परिणाम घोषित, लेवल-2 परीक्षा 28 को

राजौंद, जनवरी : हरियाणा शिक्षा विभाग की ओर से चलाए जा रहे मिशन बुनियाद चयन हेतु लेवल-1 परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसमें जिले के आठवीं कक्षा में पढ? वाले सरकारी स्कूलों से 3421 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इनमें 1182 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है जिसमे 688 लड़कियां और 494 लड़के पास हुए। जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागाट ने बताया कि अब यह विद्यार्थी 28 जनवरी को मिशन बुनियाद लेवल-2 की परीक्षा में बैठेंगे जोकि जिला स्तर पर होगी। उन्होंने कहा कि लेवल-2 के विभागीय निदेर्शानुसार विद्यार्थी अपने साथ लेवल-2 एडमिट कार्ड, आधार कार्ड, दो पेन, पासपोर्ट साइज फोटो और पानी बोतल साथ लेकर आए। परीक्षा मिशन बुनियाद के अंतर्गत कक्षा 9 वीं और 10 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम का उदेश्य बच्चों के बीच में एक स्वतंत्र, सकारात्मक और प्रतिस्परधी भावना को बढ़ाना ताकि वह अपने आगामी जीवन की चुनौतियों का सामना कर सके। उन्होंने बताया कि जिले में पांच बुनियाद सेंटर राजकीय स्कूलों में चलाये जा रहे है। इन बुनियाद सेंटर पर 9वीं और 10वीं कक्षा की पढ़ाई के साथ साथ हरियाणा सुपर 100 प्रवेश परीक्षा की तैयारी भी करवाई जाती है। जिला विज्ञान विशेषज्ञ अनिल तंवर ने बताया कि ये चयनित विद्यार्थियों को मिशन बुनियाद सेंटर पर दो वर्ष के लिए पढ़ाई करेंगे। बुनियाद सेंटर पर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को स्टेशनरी, वर्दी व परिवहन यात्रा भत्ता तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं ताकि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े।

विधायक योगेंद्र राणा ने पुलिस स्टेशन चौंक से सेन्ट्रल बैंक तक बनने वाली गली का किया शिलान्यास।

असंध, करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। असंध विधायक योगेंद्र राणा ने शुक्रवार को असंध शहर में पुलिस स्टेशन चौक से सेंट्रल बैंक तक लगभग 10 लाख की लागत से बनने वाली गली का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहर की मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। असंध शहर की जितनी भी गलियां है सभी दुरुस्त करवाई जाएगी। विधायक ने कहा कि असंध हल्के का सर्वांगीण विकास उनका प्राथमिक लक्ष्य है और आमजन की सभी समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि असंध की जनता मेरा परिवार है। यहां की हर समस्या से भली-भांति परिचित हूं, जिनका डबल इंजन की सरकार तेज रफ्तार से समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि अब असंध हल्के में विकास कार्यों को जल्द पूरा करवाया जाएगा। असंध शहर के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर नपा कार्यकारी चेयरमैन राजिन्द्र ढिंगरा, वार्ड नंबर 5 से पार्षद प्रतिनिधि देवीदयाल, असंध मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा , असंध पंजाबी बिरादरी सभा प्रधान गुलाब ढींगरा , अमरजीत छाबड़ा, सचिन शर्मा सहित अन्य शहरवासी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्योडक व पट्टी कायस्थ सेठ में पनप रही अवैध कॉलोनी पर चला बुल्डोजर

अवैध निर्माण गिराते हुए बुल्डोजर।

कैथल, जनवरी : जिला नगर योजनाकार राजकीर्ति ने बताया कि जिला नगर योजनाकार कार्यालय द्वारा वीरवार को जिला प्रशासन के सहयोग से जिला कैथल के अधीन क्योडक व पट्टी कायस्थ सेठ कुल 4 अवैध कालोनियों में बनी सीवरेज नेटवर्क, रोड नेटवर्क, चार दिवारी व डीपीसी पर पीला पंजा चलाकर तोड़-फोड़ की कार्रवाई की गई। राजकीर्ति ने बताया कि कार्यालय के संज्ञान में क्योडक व पट्टी कायस्थ सेठ में अवैध कॉलोनी काटे जाने का मामला आया था जिसके उपरांत कार्यालय द्वारा भूस्वामियों और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी करके निर्माण विकसित करने के लिए जरूरी अनुमति प्राप्त करने वाले आदेश दिए गए थे। इस अवसर पर जिला नगर योजनाकार द्वारा आम लोगों को आगाह किया गया कि वह सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलरो के बहकावे में आकर अवैध कालोनी में प्लाट आदि नहीं खरीदे तथा ना ही किसी प्रकार का निर्माण करें। जिला नगर योजनाकार कैथल द्वारा आम लोगों को संबोधित करते हुए आगाह किया गया कि जमीन की खरीद करने से पहले इस कार्यालय से कालोनी की वैधता/अवैधता बारे पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें।

18 किलो 250 ग्राम चूरापोस्त के साथ पंजाब के दो नशा तस्कर गिरफ्तार

दोनों नशा तस्कर पुलिस की गिरफ्त में।

कैथल, जनवरी : हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख महानिदेशक ओपी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा के नेतृत्व व उप पुलिस अधीक्षक जगबीर सिंह के निर्देश पर कार्य करते हुए विशेष अभियान के तहत हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कुरूक्षेत्र यूनिट ने एक ट्रक में सवार दो युवकों से 18 किलो 250 ग्राम चूरा पोस्त बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुरूक्षेत्र यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक गुरनाम सिंह अपनी टीम के साथ ढांड थाना एरिया में मौजूद थे। तभी एक सूचना के आधार पर एक ट्रक में दो युवकों को दबोचा गया। पुलिस टीम ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें चूरा पोस्त का कट्टा बरामद हुआ। इस चूरा पोस्त का कुल वजन 18 किलोग्राम 250 ग्राम मिला। आरोपियों की पहचान हरजीत सिंह वासी गांव ताशपुर पटियाला व गुरपरित सिंह निवासी गांव तुरना थाना लोहिया खासा जिला पटियाला के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना ढांड में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और आगामी जांच थाना ढांड को सौंपी गई।

यूथ अगेंस्ट ड्रग्स क्लब द्वारा नशे के विरोध में नुक्कड़ नाटक

कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य।

राजौंद, जनवरी : राजकीय महाविद्यालय राजौंद में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत यूथ अगेंस्ट ड्रग्स क्लब के तत्वाधान में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक का विषय नशीली दवाओं, पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस विषय पर महाविद्यालय व विद्यार्थियों को घातक नशे व नशीली पदार्थों से मुक्ति के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इस विषय के अंतर्गत कम से कम तीन गांवों में नुक्कड़ नाटकों के द्वारा लोगों को जागरूक करना है। महाविद्यालय के स्टाफ व विद्यार्थियों द्वारा इस अभियान को पूरा किया गया। इस अभियान की शुरूआत महाविद्यालय प्राचार्य दीपक कुमार ने महाविद्यालय के प्रांगण से की। कार्यक्रम का आयोजन सुदेश प्रभारी यूथ अगेंस्ट ड्रग्स क्लब की देखरेख में हुआ। सबसे पहले विद्यार्थियों के द्वारा गांव माजरा ब्लॉक राजौंद में नुक्कड़ नाटक के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। इसके बाद गांव रोहेड़ा व गांव खेड़ी में भी विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक के किरदारों ने जन-जन को जागरूक करके यह संदेश दिया कि हमें अपने आसपास के लोगों व समाज को नशे के प्रति जागरूक करना हैं और जागरूकता अभियान के माध्यम से ही हम भारत को नशा मुक्त भारत बना सकते हैं। इस नुक्कड़ नाटक को लोगों के द्वारा काफी सराहा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में टीचिंग स्टाफ राम मेहर सिंह,रविंद्र कुमार व नॉन टीचिंग स्टाफ में अशोक कुमार,दीपक, प्रदीप, प्रवीण हरिपाल व निशु विशेष योगदान रहा।

सुभाष चंद्र बोस जयंती पर विशेष कार्यक्रम

कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्यार्थी व स्कूल स्टाफ सदस्य।

राजौंद, जनवरी : गांव जाखौली के आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रिंसिपल ओपी शर्मा के मार्गदर्शन में सुभाष चंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं और शिक्षकों ने नेताजी के जीवन और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इसके बाद छात्र छात्राओं ने नेताजी के प्रेरणादायक जीवन पर भाषण, कविताएं और देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्रिंसिपल ओ.पी. शर्मा ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन हमें देशभक्ति, संघर्ष और निडरता की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्र छात्राओं से नेताजी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान स्कूल के सभी शिक्षक,छात्र और कर्मचारी मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वीं जयंती मनाई

■ जालौन-उरई

महात्मा ज्योतिबाराव फूले जूनियर हाईस्कूल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके अलावा नगर के स्कूलों में भी नेताजी की जयंती मनाकर उन्हें याद किया गया।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म तिथि पर महात्मा ज्योतिबाराव फूले जूनियर हाईस्कूल हीरापुर प्रधानाध्यापक जीवाराम कुशवाहा ने बच्चों को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जीवनी व उनके पराक्रम से अवगत कराया। उन्होंने बताया सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िसा के कटक में हुआ था। नेताजी का जीवन संघर्ष,साहस व देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। बताया कि नेताजी भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने आज़ाद हिंद फौज का गठन किया और जय हिंद का नारा दिया, जो आज भारत का राष्ट्रीय नारा बन चुका है। नेताजी का संघर्ष और बलिदान हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। हमें नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। इस मौके पर श्रीकांत द्विवेदी, शिवम कुमार प्रजापति, संदीप दोहरे, सुनील कुमार श्रीवास्तव, महेंद्र सिंह, राजीव कुमार, नैंसी प्रजापति, नैंसी कश्यप, लक्ष्मी, नित्या शर्मा, रिचा सेंगर आदि मौजूद रहे। इसके अलावा नगर के सभी विद्यालयों में भी नेताजी की जयंती मनाकर उन्हें याद किया गया।

मारपीट करने पर दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

■ कालपी-उरई

स्थानीय नगर के मोहल्ला टरनंनगंज बाजार में दुकान के अंदर घुसकर मारपीट करने तथा नुकसान पहुंचाने के मामले में दुकानदार के द्वारा कालपी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। उक मामले को लेकर पीड़ति दुकानदार योगेश द्विवेदी पुत्र लखन द्विवेदी निवासी मोहल्ला मिर्जा मंडी कस्बा कालपी मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थी मूंगफली मार्केट के समीप दुकान है। दिनांक 23 दिसंबर 2024 को दोपहर करीब 2 बजे अपनी किराने की दुकान पर संचालित कर रहा था।तभी आरोपी एक महिला तथा उसके आरोपी पिता अनिल कुमार पांडेय दुकान में आकर मुझे गाली गलौज करने लगे तथा उनकी पुत्री निवासी मोहल्ला राम चबूतरा कालपी ने दुकान के अंदर घुसकर गाली गलौज कर लाठी डंडो एवं थप्पड़ घुसा से मारपीट करने लगे और दुकान का सारा सामान फैला कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के शोर को सुनकर पड़ोसी दुकानदारों ने उक्त महिला को ललकारा तथा मुझे बचाई महिला मुझे जान से मारने की धमकी देकर घटना स्थल से चली गई। मेरे शरीर में कई घातक चोटें आई हैं।पुलिस ने दुकानदार की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले की विवेचना उप निरीक्षक अंकित चौरसिया के द्वारा शुरू कर दी गई है।

चोरी के ट्रैक्टर सहित दो युवकों को पुलिस ने दबोचा

■ कालपी-उरई

निकटवर्ती ग्राम चौरा बाजार में दुकान के बाहर खड़े ट्रैक्टर को देर रात बदमाशों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। वही कालपी पुलिस की सक्रियता से चोरी के ट्रैक्टर सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जनपद कानपुर देहात के अमरोहा कस्बा निवासी इमरान खान की चौरा मवेशी बाजार के पास बिल्डिंग मटेरियल की दुकान है, दुकान के बाहर इमरान का ट्रैक्टर खड़ा हुआ था। तभी रात में मौका पाकर बदमाशों ने चोरी करके ट्रैक्टर को लेकर भागने लगे। कालपी कोतवाली के टरननगंज चौकी इंचार्ज रणधीर सिंह तथा कांस्टेबल अभिषेक सिंह ने रात्रि गश्त के दौरान देर रात लगभग चार बजे चोरी के ट्रैक्टर को काशीराम कॉलोनी के पास पकड़ लिया। उपनिरीक्षक ने जब ट्रैक्टर के कागजात मांगे तो बदमाश कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके, पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी करने वाले आरोपी बदमाशों अनुज पुत्र मौजीलाल निषाद निवासी मोहल्ला निकासा कस्बा कालपी तथा सर्वेश कुमार निवासी डिलौलिया थाना भोगनीपुर कानपुर देहात को दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों ने ट्रैक्टर चोरी की घटना करने का मामला कबूल किया।

उक्त प्रकरण की सूचना कालपी पुलिस ने कोतवाली भोगनीपुर कानपुर देहात पुलिस को दीं। गुरुवार को थाना भोगनीपुर पुलिस की टीम ने बदमाशों तथा ट्रैक्टर को लिखा पड़ी के लिए अपने साथ ले गए तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। समझा जाता है कि बदमाशों से ट्रैक्टर चोरी के अन्य मामले भी उजागर हो सकते हैं।

श्री मुरलीमनोहर मंदिर पर सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ सम्पन्न

जालौन। नमो नमो सनातन हिंदू महासभा के तत्वावधान मे मो मुरलीमनोहर में श्री मुरलीमनोहर(महंत के) मंदिर में मंगलवार 21 जनवरी 25 को सायं काल 122 वां सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ हुआ संपन्न । सर्वप्रथम हनुमान जी का पूजन अर्चन व दीप प्रज्वलन पुजारी राजकुमार द्विवेदी द्वारा किया गया।इसके उपरांत महंत पीयूष विवेक की अध्यक्षता में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ किया गया ।तदुपरांत हनुमान जी व भगवान राम जी की स्तुति आरती पुष्पांजलि व प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर नमो नमो सनातन हिंदू महासभा के राष्टीय अध्यक्ष भगवती प्रसाद मिश्रा राष्टीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा राष्टीय महामंत्री त्रिलोकी नाथ गुप्ता राष्टीय उपाध्यक्ष अवध किशोर त्रिवेदी प्रदेश उपाध्यक्ष सन्तोष द्विवेदी कैथवा प्रदेश मंत्री मिथलेश मिश्रा प्रदेश मंत्री महेंद्र सिंह सेंगर प्रदेश मंत्री कैलाश चन्द्र पाटकार जिलाध्यक्ष सत्यनारायण मिश्रा सन्तोष वीआईपी जालौन नगर अध्यक्ष शशिकांत वर्मा पप्पू पाटकार सतीश सिंह सेंगर अजय बाजपेयी आदि उपस्थित रहे।

अवैध बालू से लदे 8 ओवरलोड ट्रकों को पकड़ कर किया सीज

■ कालपी-उरई

जिला प्रशासन के निर्देश के अनुरूप उपजिलाधिकारी सुशील सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस तथा सम्बंधित विभाग अधिकारियों की संयुक्त टीम के द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान चलाया गया। जोल्हूपुर मोड़ के अलग-अलग स्थानों में चैकिंग के दौरान बिना प्रपत्रों के अवैध बालू के ओवरलोड भरे 8 ट्रकों को परिवहन पकड़ कर सीज करने की बड़ी कार्यवाही से खलबली मच गयी है।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक वुधवार को एसडीएम सुशील कुमार सिंह,सीओ अवधेश कुमार सिंह तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र कुमार पाठक टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। तभी जोल्हूपुर की सड़क में उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने अवैध खनन तथा ओवरलोड के खिलाफ चैकिंग की गई। इस दौरान बिना खनिज प्रपत्रों के ओवरलोड मौरम लादे 8 ट्रको को परिवहन करते हुए पकड़ लिया ।

जोल्हूपुर मोड़ में अधिकारियों ने अवैध खनन भरे 8 ट्रक को पकड़ कर सीज करने की कार्यवाही की गई। उपजिलाधिकारी ने पकड़े गये सभी 8 वाहनों को थाना कालपी पुलिस की अभिरक्षा में सीज कर गल्ला मंडी कालपी में खड़ा करा दिये गये। चैकिंग अभियान की खबर मिलते ही वाहन चालकों में खलबली मच गयी। उपजिलाधिकारी के मुताबिक आगामी दिनों में भी लगातार चैकिंग अभियान चलाया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

युवती को भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज

कालपी -उरई। स्थानीय नगर के मोहल्ला भट्टीपुरा से 18 वर्षीया युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पीड़ति पिता के द्वारा नामजद आरोपी के खिलाफ कालपी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। उक्त मामले को लेकर पीड़ति के पिता निवासी मोहल्ला भट्टीपुरा कस्वा कालपी मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थी की बहिन की जेठानी का लड़का शालू पुत्र कल्लू निवासी मोहल्ला राम चबूतरा कस्बा कालपी मेरी पुत्री से अक्सर बातचीत करता रहता था। मेरी पुत्री भी शालू से बातचीत करती थी। दिनांक 17/18 जनवरी की रात में मेरी पुत्री घर पर बिना बताए चली गई है। मेरी पुत्री को आरोपी शालू पुत्र कल्लू बहला फुसलाकर भाग ले गया है। मेरी पुत्री तथा शालू के पास मोबाइल नंबर भी है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करके विवेचना चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक रणधीर सिंह को सौंप दी है। पुलिस मोबाइल नंबरों के आधार पर मामले की तहकीकात करने में जुट गई है।

महिला ने पति व देवर की शिकायत

जालौन-उरई। विवाहिता को पति व देवर द्वारा परेशान करने पर विवाहिता ने कोतवाली में शिकायत की थी। इससे नाराज दोनों ने विवाहिता के साथ मारपीट कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति व देवर के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मुरलीमनोहर निवासी रूचि ने पुलिस को बताया कि उनके पति हिमांशु व देवर मनीष आए दिन उसे परेशान करते हैं। किसी न किसी बात पर उसे उलाहना देकर उसके साथ गाली, गलौज करते हैं। कई बार समझाने की कोशिश की लेकिन वह मान नहीं रहे हैं। इसकी शिकायत उसने कोतवाली में की थी। पुलिस से शिकायत करने पर नाराज पति व देवर ने उसके साथ गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट भी की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति व देवर के खिलाफ कार्रवाई की है।

हार-जीत की बाजी लगाते चार गिरफ्तार

जालौन-उरई। सार्वजनिक स्थान पर हारजीत की बाजी लगा रहे चार लोगों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने लगभग 2100 रुपये बरामद किए। चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह को सूचना मिली कि औरैया रोड पर 21 फुटा हनुमान मंदिर के पास कुछ लोग हार जीत की बाजी लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही वह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां जुआ खेल रहे लोग भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दीपक कुमार, नितिन कुमार व राहुल कुमार निवासीगण सहावनाका एवं दीपू पहलवानबाड़ा को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके पास से 2110 रुपये नकद व ताश की गड्डी बरामद की। पकड़े गए चारों आरोपियों को कोतवाली लाकर पुलिस ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रंजिश के चलते युवक से की मारपीट

जालौन-उरई। रंजिश को लेकर एक व्यक्ति ने दूसरे के साथ गाली, गलौज कर मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दमां निवासी मुन्ना बाथम ने पुलिस को बताया कि उनके गांव के ही कुलदीप कुमार उससे रंजिश मानते हैं। रंजिश के चलते आए दिन गाली, गलौज व झगड़ा करते रहते हैं। गुरूवार की सुबह भी वह घर के बाहर खड़े होकर गाली, गलौज कर रहे थे। जब उसने मना किया तो मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

मोटर साइकिल में रखे 80 हजार ले भागा अज्ञात व्यक्ति

कोंच। कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला गांधीनगर में रेलवे क्रासिंग के पास रहने वाले उत्कर्ष राज हूँका पुत्र रामप्रकाश गुप्ता ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि 23 जनवरी गुरुवार की शाम वह अपनी दादी को साथ लेकर सेंट्रल बैंक शाखा गया हुआ था। बैंक में जाकर उसने दादी के खाते में जमा 80 हजार रुपये निकाले और बाइक में लगे बैग में रुपये रख लिये। बजरिया में उसने दादी को एक रिश्तेदार के घर पर छोड़ दिया तथा मुख्य मार्ग पर स्थित बाबा समोसा की दुकान पर समोसा खाने लगा। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी बाइक में लगे बैग में से किसी व्यक्ति ने 80 हजार रुपये निकाल लिए और मौके से भाग गया। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में उक्त व्यक्ति की तस्वीर कैद हुई है।मामले को लेकर पीड़ति ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।वही घटना को लेकर प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय का कहना है कि पीड़ति द्वारा प्रार्थनापत्र दिया गया है जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

26 जनवरी को क्रासकंट्री दौड़ प्रतियोगिता का होगा आयोजन

उरई। क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि जनपद के खेलप्रेमी खिलाडियों को सूचित किया जाता है कि खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार एवं 20 जनवरी 2025 को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आहूत बैठक में दिये गये निर्देश के क्रम में जिला प्रशासन के सहयोग दिनांक 26 जनवरी 2025 को गणतन्त्र दिवस के सुअवसर पर प्रातः 08.30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा तदोपरान्त जिला खेल कार्यालय इन्दिरा स्टेडियम उरई के तत्वाधान में 05 कि0मी0 पुरुष एवं 03 कि0मी0 महिला वर्ग में जिला स्तरीय कासकन्ट्री दौड इन्दिरा स्टेडियम से कालपी रोड पर प्रातः 11.30 बजे से आयोजित की जायेगी। अतएव जनपद के प्रधानाचार्य / प्राचार्य / क्रीड़ा संघ/क्लब आदि से अपील है कि अपने-अपने विद्यालय के पुरुष वर्ग एवं महिला वर्ग की खिलाडियों को आयोजित प्रतियोगिता कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने हेतु भेजने का कष्ट करे।

क्रमशः 06 स्थान प्राप्त करने वाले पुरूष एवं महिलाओं को खेल विभाग द्वारा पुरस्कार से पुरस्कृत किया जायेगा। उन्होंने बताया कि क्रासकन्ट्री दौड प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु पुरुष/महिला खिलाड़ी 26 जनवरी 2025 को इन्दिरा स्टेडियम उरई में प्रातः 09.30 बजे से उपस्थित होकर अपने नाम की प्रविष्टि कराकर चेस्ट नम्बर प्राप्त कर प्रतियोगिता में भाग ले सकते है।

वाहन चालक सड़क पर अपनी सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बने व यातायात नियमों का पालन करें- जिलाधिकारी

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर एक किलो मीटर लंबी मानव श्रंखला बनायी

■ उरई

सड़क सुरक्षा के प्रति आमजनमानस में जागरूकता लाये जाने हेतु गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में 101 किलोमीटर की मानव श्रृंखला का निर्माण एवं सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने शासन के निर्देश पर नेता सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर सड़क सुरक्षा के अंतर्गत इंदिरा स्टेडियम से लेकर टाउन हॉल तक लगभग 3.30 किलोमीटर कि मानव श्रृंखला बनाई गई। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर ब्लॉक स्तर पर आदि विभिन्न स्थानों पर लगभग 101 किलोमीटर की मानव श्रृंखला बनाई गई। लोगों को यातायात नियमों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। बनाई गई मानव श्रृंखला में छात्र-छात्राओं द्वारा हाथों में स्लोगन लेकर यातायात को लेकर आम जनमानस को जागरूक किया। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को दुर्घटना से बचने के लिए और यातायात नियमों के प्रति उनको जागरूक करने के लिए ऐतिहासिक मानव श्रृंखला बनाई गई जो यातायात नियमों और सुरक्षा के प्रति जनपद ने संदेश दिया है, निश्चित रूप से आने वाले समय में दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण अपील की है कि वाहन चालकों से अपील की है कि वे सड़क पर अपनी सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बने और यातायात नियमों का पालन करें। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से दो पहिया और चार पहिया वाहन चलाने वालों को सलाह दी कि वे सुरक्षा के मानकों का सख्ती से पालन करें। जिलाधिकारी ने कहा, दो पहिया वाहन चलाते समय स्वयं और पीछे बैठे व्यक्ति को क्ष्ळ्ठ मानक वाले हेलमेट पहनना अनिवार्य है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना हमेशा सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी जोर दिया कि वाहन चालकों को लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करना चाहिए और तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की सलाह दी। गलत दिशा में वाहन चलाना दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। मोबाइल फोन का प्रयोग और शराब या नशे की हालत में वाहन चलाने से बचने की भी अपील की गई। ÷सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करना हमारा कर्तव्य है, इसलिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सुरक्षित और सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं, क्योंकि घर पर आपके बच्चे इंतजार कर रहे हैं, इसलिए हमेशा अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल, क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार, सुरेश कुमार, विनय कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश, प्रबंधक, प्राचार्य, शिक्षक, समाजसेवी आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

कोंच। स्कूली छात्र छात्राओ ने सड़क सुरक्षा को लेकर नगर के मार्गो से रैली निकाली। एसआरपी इंटर कालेज से सरोजिनी नायडू पार्क तक रैली निकाली गई। उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह, क्षेत्राधिकारी देवेंद्र कुमार पचौरी एवं कोतवाल अरुण कुमार राय ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में विवेकानंद द ग्लोबल, मदर्स प्राइड, एबेनेजर, सूरज ज्ञान मॉडर्न, एनएस अकादमी, एसटीके बालिका और एसआरपी इंटर कालेज के छात्र-छात्राएं सड़क सुरक्षा के प्रति प्रेरक नारे लिखी तख्तियां और बैनर हांथों में लेकर नारे लगाते हुए साथ चल रहे थे। रैली के समापन अवसर पर एसडीएम ने सभी स्कूली छात्र छात्राओं सहित शिक्षक शिक्षिकाओं को सड़क सुरक्षा का खुद भी पालन कर परिजनों और आस पड़ोस के लोगों को जागरुक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं न केवल लोगों की जान के लिए खतरा होती हैं बल्कि परिवारों को भी गहरा दुःख पहुंचाती हैं। सीओ ने कहा कि दुपहिया वाहन चालक हेल्मेट अवश्य पहनें और 3 सवारियां कभी न बैठाएं। बाइक के प्रपत्र साथ लेकर चलें। सड़क पर अपनी निर्धारित साइड पर चलें और जल्दबाजी में स्पीड के बीच ओवरटेक न करें। चौराहों आदि स्थानों पर संकेतक लाइटों का पालन करें। चौपहिया वाहन चालक सीटबेल्ट का हमेशा उपयोग करें। किसी भी प्रकार को कोई नशा कर वाहन न चलाएं। इस दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर एसडीएम और सीओ ने छात्र छात्राओं को उनके जीवन परिचय के बारे में बताया। इस मौके पर तहसीलदार पवन पटेल, नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार शादाब उल्ला, मंडी चौकी प्रभारी नीतेश कुमार, सदर लेखपाल अखिलेश कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

बद्रीप्रसाद महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

कोंच। महेशपुरा रोड स्थित सेठ बद्रीप्रसाद ग्रुप ऑफ कालेज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मानव श्रृंखला बनाई गई जिसमें छात्र छात्राओं के अलावा महाविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस मौके पर लोगों को जागरूक कर बताया गया कि बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कर अपना और दूसरों का भी जीवन सुरक्षित बनाएं। उपस्थित सभी लोगों ने सड़क सुरक्षा और नशा मुक्ति की शपथ ली।इस अवसर पर भारती वर्मा, दीप्ति राठौर, खुशबू, मोनिका, खुशी, राधा दुवे, साक्षी पटेल, नेहा कुमारी, रिया, निशा, संजय, दीपक, राजू, निराला, आनंद, प्रभारी प्राचार्य ब्रजेंद्र सिंह निरंजन, डॉ सरताज खान, मनोज कुमार, राघवेंद्र पटेल, राधेश्याम, निशांत कुमार, पूनम देवी, धर्मेंद्र पटेल, सौम्या सचान, मनस्वी पाल, सत्यप्रताप, दिनेश बाबू, संतोष, संदीप, राजकुमार, संजय आदि मौजूद रहे।

पांच हजार से अधिक विदेशी भक्त भी आएंगे

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान की तैयारी तेज 10 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

महाकुंभ नगर ब्यूरो, प्रयागराज

महाकुंभ नगर में 29 जनवरी को होने जा रहे मौनी अमावस्या के अमृत स्नान में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए 10 करोड़ लोगों के पावन त्रिवेणी के तट पर पहुंचने का अनुमान है। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का अमृत स्नान होगा। मेला प्रशासन के दावे के मुताबिक इस स्नान पर्व में 7 से 10 करोड़ के बीच श्रद्धालुओं के महाकुंभ पहुंचने का अनुमान है, जिसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन के साथ-साथ साधु संतों के शिविरों में भी इस पावन अवसर पर अमृत स्नान के लिए आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है।श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरि बताते हैं कि अकेले उनके शिविर में इस पुण्य पर्व (मौनी अमावस्या) पर फ्रांस, इटली, जापान और रूस से पांच हजार से अधिक विदेशी भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है। पायलट बाबा के ये सभी भक्त 24 जनवरी से पहुंचने लगेंगे।

मौनी अमावस्या पर चलेंगी रिकार्ड 150 से अधिक स्पेशल ट्रेनें : मौनी अमावस्या पर्व पर होने वाली करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रयागराज रेलवे मंडल की ओर से हर चार मिनट पर एक ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है। महाकुंभ 2025 की प्रयागराज में शुरुआत 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ हो गई है। मकर संक्रांति के दिन महाकुंभ के पहले अमृत स्नान पर्व पर उम्मीद से अधिक लगभग 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया था।

महाकुंभ के आगामी स्नान

29 जनवरी (बुधवार)– अमृत स्नान, मौनी अमावस्या

3 फरवरी (सोमवार)– अमृत स्नान, बसंत पंचमी

12 फरवरी (बुधवार)– स्नान, माघी पूर्णिमा

26 फरवरी (बुधवार)– स्नान, महाशिवरात्रि

विदेशी हैरान कि 40 करोड़ लोग बिना निमंत्रण के एक जगह कैसे आते हैं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि "144 साल बाद प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है। दुनिया इसे देखकर हैरान है। विभिन्न राजदूतों ने मुझसे निमंत्रण मांगा। मैंने उन्हें समझाया कि कुंभ एक ऐसा मेला है, जिसमें किसी को भी किसी तरह की परेशानी नहीं होती। करोड़ों लोग सितारों के संरेखण के अनुसार आते हैं... वे हैरान हैं कि 40 करोड़ लोग बिना निमंत्रण के एक जगह आते हैं और मुझसे पूछते हैं कि इसका प्रबंधन कौन करता है, मैंने उन्हें बताया कि सरकार द्वारा किया गया प्रबंधन उतना ही महत्वहीन है जितना कि राम सेतु बनाने में गिलहरी का योगदान... ये हजारों वर्षों से चलता आ रहा है। ये मुगलों, अंग्रेजों और यहां तक कि कांग्रेस के शासन के दौरान भी चलता रहा...।

महाकुंभ में त्रिवेणी संगम पर भावुक हुए अनुपम खेर

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर हाल ही में प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। इस पवित्र स्नान के दौरान अनुपम खेर भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने अनुभव को शब्दों में पिरोया और सनातन धर्म के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-महाकुंभ में गंगा स्नान करके जीवन सफल हुआ !! पहली बार उस स्थान पर पहुँच के मंत्र उच्चारण किए जहाँ माँ गंगा, जमुना जी और सरस्वती जी का संगम होता है ! प्रार्थना करते करते अश्रु स्वयं ही आँखो से बहने लगे।संयोग देखिए ! ऐसा ही ठीक एक साल पहले आज ही के दिन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठान के दिन हुआ था ! सनातन धर्म की जय। त्रिवेणी संगम, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों का संगम होता है, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र स्थान माना जाता है।

कांग्रेस की रणनीति को क्यों पंक्चर कर रहे राहुल

दिल्ली का चुनाव हिन्दू–मुस्लिम का चुनाव नहीं है। दिल्ली का चुनाव पूर्वांचलियों, पंजाबियों, बनियों, गुर्जरों, जाटों का चुनाव होता है।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया की कलम से

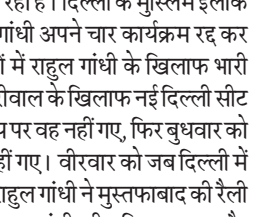

इधर दिल्ली में योगी आदित्यानाथ की एंट्री हुई, उधर आम आदमी पार्टी ने मुस्लिम एरिया में नारा लगा दिया है कि बंटोगे तो कटोगे। हालांकि दिल्ली का चुनाव हिन्दू-मुस्लिम का चुनाव नहीं है। दिल्ली का चुनाव पूर्वांचलियों, पंजाबियों, बनियों, गुर्जरों, जाटों का चुनाव होता है। योगी जहां खड़े हो जाते हैं, वहां जयश्रीराम तो अपने आप हो जाता है। योगी आदित्यानाथ का लक्ष्य दिल्ली के 35 प्रतिशत पूर्वांचलियों और 6-7 प्रतिशत उत्तराखंडियों को साधना है। योगी ने महाराष्ट्र या हरियाणा की तरह ऐसा कोई नारा नहीं लगाया। उन्होंने यमुना की सफाई पर केजरीवाल को कटघरे में खड़ा किया, क्योंकि अपना छठ का त्यौहार मनाने के लिए पूर्वांचलियों के लिए यमुना की सफाई बहुत जरूरी है। इसलिए केजरीवाल पर फब्ती कसते हुए योगी ने कहा कि मैं अपनी केबिनेट के सभी 54 सदस्यों के साथ त्रिवेणी में कुंभ स्नान करके आया हूं, क्या तुम अपनी केबिनेट के साथ यमुना में डुबकी लगा सकते हो। प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। जो यमुना दिल्ली में प्रदूषित है, उसी यमुना को मथुरा वृन्दावन के बाद योगी सरकार ने साफ़ सुथरा कर दिया है, जबकि केजरीवाल दस सालों में दिल्ली का छोटा सा हिस्सा साफ़ नहीं कर सके। योगी के भाषण से साफ़ है कि उनका टार्गेट पूर्वांचली हैं, जो भाजपा की हार जीत तय करेंगे। हिन्दू मुस्लिम नहीं। भाजपा को पूरी तरह पता है कि मुस्लिम भाजपा को वोट नहीं देंगे, और वे सिर्फ आठ सीटों पर सीमित हैं, जहां भाजपा सिर्फ अपना वोट प्रतिशत बढाने के लिए चुनाव लड़ रही है। मुस्लिम सीटों पर टक्कर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में है। आम आदमी पार्टी को सबसे बड़ा डर यह है कि दिल्ली का मुसलमान वोट कांग्रेस को मिल गया तो भाजपा को फायदा होगा। जबकि कांग्रेस का दारोमदार सिर्फ मुस्लिम वोट पर है। कांग्रेस से डर कर आम आदमी पार्टी के विधायक और उम्मीदवार अमानतुल्लाह खान मुसलमानों से कह रहे हैं कि बंटोगे, तो बीजेपी आ जाएगी। हालांकि जैसा मैंने पहले कहा था कि राहुल गांधी एक कदम आगे चल कर दो कदम पीछे खिंच लेते हैं, वही हो रहा है। दिल्ली के मुस्लिम इलाके सीमापुरी में एक रैली करने के बाद राहुल गांधी अपने चार कार्यक्रम रद्द कर चुके हैं। जिससे दिल्ली के कांग्रेसी नेताओं में राहुल गांधी के खिलाफ भारी गुस्सा है। सोमवार को राहुल गांधी ने केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट पर रोड शो करना था, लेकिन आखिरी समय पर वह नहीं गए, फिर बुधवार को सदर बाज़ार और इन्द्रापुरी की रलियों में नहीं गए। वीरवार को जब दिल्ली में योगी आदित्यानाथ की रैली हो रही थी, तो राहुल गांधी ने मुस्तफाबाद की रैली भी स्थगित कर दी। बताया गया है कि राहुल गांधी की तबियत खराब है। लेकिन कांग्रेस के वर्कर ही इस पर विश्वास नहीं कर रहे, क्योंकि इन्ही राहुल गांधी ने अजय माकन को केजरीवाल को राष्ट्रविरोधी कहने से रोक दिया था। दिल्ली के कांग्रेसी अब राहुल गांधी को नाकारा तक कहने में भी झिझक महसूस नहीं करते। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि जब अजय माकन, संदीप दीक्षित और देवेन्द्र यादव की तिकड़ी केजरीवाल पर हमलावर हो गई है, तो राहुल गांधी , प्रियंका गांधी वाड्रा और सोनिया गांधी क्यों हमलावर नहीं हो रहे। राहुल गांधी बीमार हैं, तो उनकी जगह पर प्रियंका गांधी रैलियों में क्यों नहीं जा रही। सोनिया गांधी को मैदान में क्यों नहीं उतारा जा रहा। सदर बाज़ार की रैली में आखिर तक कहा जा रहा था कि राहुल गांधी जल्द ही पहुंच रहे हैं। कांग्रेस के नेता ही सवाल कर रहे हैं कि अगर राहुल गांधी बीमार थे, तो क्या प्रियंका को नहीं भेजा जा सकता था। इसलिए मुझे दाल में कुछ काला लगता है। मेरा फिर वही सवाल है कि राहुल गांधी किस के दबाव में एक कदम आगे बढा कर दो कदम पीछे खिंच लेते हैं। अजय माकन, संदीप दीक्षित और देवेन्द्र यादव कहते हैं कि कांग्रेस किसी सहयोगी दल के दबाव में नहीं आएगी। क्योंकि कांग्रेस मंथन में इस नतीजे पर पहुंची है कि जब तक कांग्रेस मजबूत नहीं होगी, तब तक केंद्र में सत्ता परिवर्तन नहीं हो सकता। तो फिर क्या राहुल गांधी विदेशी ताकतों के दबाव में हैं। जैसा कि मैंने पहले भी सवाल उठाया था। इसका शक इसलिए पैदा होता है, क्योंकि 2012-13 में जिन लेफ्ट लिबरल विदेशी शक्तियों ने अरविन्द केजरीवाल को उभारा था, वही लेफ्ट लिबरल विदेशी शक्तियाँ अब राहुल गांधी के साथ हैं। इसलिए आशंका यह है कि जरुर राहुल गांधी पर बार बार जार्ज सोरोस की टीम का दबाव पड़ता होगा। जार्ज सोरोस घोर मोदी विरोधी हैं, और उन्हें लगता है कि अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार बन गई तो मोदी और मजबूत हो जाएंगे। जबकि कांग्रेस को लगता है कि दिल्ली में भले ही भाजपा की सरकार बन जाए, केजरीवाल से छुटकारा पाना जरूरी है। केजरीवाल दिल्ली में हार गए तो 2027 में उसे पंजाब वापस मिलना आसान हो जाएगा, लेकिन राहुल गांधी विदेशी दबावों के चलते इस रणनीति को बार बार पंक्चर कर रहे हैं।

1.21 लाख श्रद्धालुओं ने आयुष केन्द्रों से लिया निशुल्क परामर्श और दवाइयां

प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए आयुष ओपीडी, क्लीनिक, स्टॉल और सत्र प्रमुख आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश के सहयोग से इस महाकुंभ में आयुष सुविधाओं की एक श्रृंखला की व्यवस्था की है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इन सुविधाओं का अबतक 1.21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आयुष सेवाओं का लाभ उठाया है।गुरुवार को आयुष मंत्रालय ने बताया कि महाकुंभ में आयुष टीम में 20 ओपीडी में 80 डॉक्टर शामिल हैं, जो चौबीस घंटे लगातार चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ये ओपीडी कई तरह की सामान्य और पुरानी बीमारियों को ठीक करने के लिए सुसज्जित हैं। विदेशी श्रद्धालु भी ओपीडी परामर्श सहित आयुष सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इसके अलावा, संगम क्षेत्र और सेक्टर-8 में निर्धारित शिविरों में सुबह 8 बजे से 9 बजे तक प्रतिदिन चिकित्सीय योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका नेतृत्व मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'एकात्म धाम' मंडपम महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र

25 एवं 26 जनवरी को शास्त्रार्थ सभा की अध्यक्षता करेंगे श्रृंगेरी शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती

सनातन संस्कृति की दिव्य अनुभूति के महापर्व "प्रयागराज महाकुम्भ " में पर आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा अद्वैत वेदान्त दर्शन के लोकव्यापीकरण एवं सार्वभौमिक एकात्मता की संकल्पना के उद्देश्य से 12 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक 3 एकड़ (एक लाख दस हजार स्कायर फ़ीट) में "एकात्म धाम शिविर" सेक्टर-18, हरिश्चन्द्र मार्ग, महाकुम्भ क्षेत्र, झूंसी, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश में किया जा रहा है।शिविर में प्रतिदिन अद्वैत वेदान्त पर केन्द्रित संवाद, श्रवण, मनन, निधिध्यासन द्वारा ध्यान, शास्त्रार्थ सभा, संत समागम, शंकर संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, वैदिक अनुष्ठान एवं भाष्य पारायण, अद्वैतामृतम्, विमर्श सभा, पुस्तक प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र है ।

दशनामी संन्यास परम्परा के लाखों साधु-संत, संन्यासी, आचार्य महामंडलेश्वर, महंत सहित आर्ष परंपरा के मनीषी महाकुम्भ में सम्मिलित होते है। यह सुखद संयोग है कि इस बार महाकुम्भ में पहली बार श्रृंगेरी शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती सन्निधानम् आएंगे, वे एकात्म धाम द्वारा 25 एवं 26 जनवरी को आयोजित शास्त्रार्थ- सभा एवं दिनांक 27 जनवरी को आयोजित संत-समागम की अध्यक्षता करेंगे। शास्त्रार्थ सभा में देश-दुनिया के प्रमुख विद्वान आएंगे जो आत्मा, जगत जैसे मनुष्य के जिज्ञास्य विषयों पर चिंतन की अनेक धाराओं के अनुसार विवेचना करेंगे। शास्त्रार्थ चिंतन के मूल्यांकन की विशेष विधि है जिसमें विषय को प्रस्तुत किया जाता है और विद्वतपरिषद वाद, जल्प और वितण्डा के रूप में समालोचनात्मक पद्धति से विचार करती है। शास्त्रार्थ सभा में प्रो. राजाराम शुक्ल (वाराणसी), प्रो. मणि द्रविड़ शास्त्री (चेन्नई) , प्रो. श्रीहरि शिवराम धायगुड़े (तिरुपति) सहित अनेक विद्वान शामिल होंगे। संत समागम में श्रृंगेरी शंकराचार्य के साथ द्वारिका शंकराचार्य श्री श्री सदानंद सरस्वती, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज सहित हजारों साधु संत शामिल होंगे।

अभिनेता नीतिश भारद्वाज 'शंकर गाथा' की देंगे प्रस्तुति

शिविर में 25 से 27 जनवरी तक स्वामी परमात्मानंद सरस्वती 'कठोपनिषद', 06 फरवरी को स्वामिनी विमलानंद सरस्वती एवं 07 फरवरी को स्वामी मित्रानंद सरस्वती आचार्य शंकर के जीवन दर्शन पर संवाद करेंगे।6-7 फरवरी को ही शाम 6 बजे से अभिनेता नीतिश भारद्वाज एवं कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी 'शंकर गाथा' की प्रस्तुति देंगी।8 से 12 फरवरी तक राम जन्म भूमि न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्द देव गिरि प्रतिदिन शंकरो लोकशंकर : आचार्य शंकर के जीवन प्रसंग पर कथा करेंगे। ज्ञात हो कि यह महाकुम्भ पूर्व से पश्चिम एवं उत्तर से दक्षिण तक आचार्य शंकर द्वारा स्थापित सांस्कृतिक एकता का साक्षी बने इसी भाव के साथ संन्यास परम्परा के विराट उत्सव के रूप में युग-युगीन सनातन ज्ञान-परम्परा के इस प्रकट-प्रभावी उत्सव में एकात्म धाम शिविर आयोजित है।

विदेश राज्य मंत्री पावित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया

भारत दौरे पर पहुंचे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति 76वें गणतंत्र दिवस के होंगे मुख्य अतिथि

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो अपनी पहली भारत यात्रा पर गुरुवार रात नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री पावित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया। सुबियांतो 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी। सुबियांतो की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों द्वारा कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये जाने की उम्मीद है। वह भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले चौथे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति होंगे। इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। इंडोनेशिया का 352 सदस्यीय मार्चिंग और बैंड दल यहां कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेगा। यह पहली बार होगा जब इंडोनेशिया का मार्चिंग और बैंड दल विदेश में राष्ट्रीय दिवस परेड में भाग लेगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत-इंडोनेशिया संबंधों में तेजी आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में इंडोनेशिया की यात्रा की थी, इस दौरान भारत-इंडोनेशिया संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया।

दक्षिणी जंगलों में 7 जनवरी को आग लगी थी

10 हजार एकड़ इलाका जला, 50 हजार लोगों को घर छोड़ने का आदेश

एजेंसी, कैलिफोर्निया

अमेरिका के कैलिफोर्निया में पिछले कई हफ्तों से लगी आग एक बार फिर भड़क गई है। इस बार लॉस एंजिलिस के उत्तरी इलाके ह्यूजेस में आग लगी है। बुधवार को लगी आग से करीब 10 हजार एकड़ इलाका जल गया है। आग की वजह 50 हजार लोगों को घर छोड़ने को कहा गया है। कास्टिक झील के पास लगी इस आग को बुझाने के लिए 4 हजार फायर फाइटर्स को तैनात किया गया है। यहां 48 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं। आग इतनी तेजी से फैल रही है कि इससे हर 3 सेकेंड में एक फुटबॉल मैदान के बराबर इलाका जल रहा है। सैटेलाइट डेटा के मुताबिक स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 10:45 बजे कास्टिक झील के पास हॉटस्पॉट का पता चला था। इससे पहले लॉस एंजिलिस के आसपास के दक्षिणी जंगलों में 7 जनवरी को आग लगी थी। इसमें 25 लोगों की जान चली गई थी।

स्कूलों में छात्रों से अभद्र बर्ताव पर अदालत सख्त

अल्बुकर्क। न्यू मैक्सिको से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां के सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के सभी स्कूलों में होने वाले भेदभाव पर मुकदमा दायर करने का रास्ता साफ कर दिया। इसके तहत अब आचरण, किसी भी प्रकार की नस्लवादी टिप्पणी या फिर अन्य चिजों के लिए होने वाले भेदभाव के खिलाफ आसानी से मुकादमा दायर किया जा जकता है। सुनाए गए फैसले से न्यू मैक्सिको मानवाधिकार अधिनियम (एनएमएचआरए) के तहत स्कूलों और विश्वविद्यालयों में भेदभाव के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

युगांडा से लौटे व्यक्ति में मिले क्लेड इब के लक्षण

इंग्लैंड में मंकीपॉक्स के नए स्वरूप ने बढ़ाई चिंता

एजेंसी, इंग्लैंड

युगांडा से इंग्लैंड लौटे ईस्ट ससेक्स के एक 42 वर्षीय व्यक्ति में खतरनाक क्लेड इब एमपॉक्स के लक्षण पाए गए हैं। यूनाइटेड किंगडम हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी ने इस बात की पुष्टि की है। युगांडा में इस समय क्लेड इब एमपॉक्स फैला हुआ है। एजेंसी का कहना है कि ब्रिटेन में अब भी इस संक्रमण का खतरा कम है। अक्टूबर 2024 के बाद यह इंग्लैंड में छठा मामला है। हालांकि यह नया मामला पहले के मामलों से अलग है। इस नए मामले का समय पर पता लगाने में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की सतर्कता का अहम योगदान रहा है। अब तक ब्रिटेन में इस नए मामले के बाद खतरा कम है और किसी भी संभावित प्रसार को रोकने के लिए तेजी से कदम उठाए जा रहे हैं। नए मामले से संपर्क में आए लोगों की निगरानी की जा रही है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उनकी जांच की जाएगी और जरूरी इलाज के साथ टीकाकरण भी किया जाएगा। एमपॉक्स एक संक्रामक रोग है, जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है। इस वायरस के दो मुख्य क्लेड होते हैं- क्लेड-वन और क्लेड-टू। यह वायरस संपर्क के माध्यम से फैलता है, जैसे त्वचा से त्वचा का संपर्क, यौन संपर्क, और शारीरिक तरल पदार्थों का आदान-प्रदान। गर्भवती महिलाओं के लिए यह वायरस गर्भ में उनके बच्चे तक भी पहुंच सकता है।

इन्हें होता है ज्यादा खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि एमपॉक्स से सबसे अधिक प्रभावित होने का खतरा स्वास्थ्य कर्मियों, संक्रमित व्यक्ति के करीबी संपर्क में रहने वालों, कई यौन साझेदारों वाले व्यक्तियों और यौनकर्मियों को होता है। हाल के महीनों में, बेल्जियम, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और अमेरिका जैसे देशों में भी क्लेड इब एमपॉक्स के मामले सामने आए हैं। भारत के बेंगलुरु शहर में 22 जनवरी को एमपॉक्स का एक संदिग्ध मामला सामने आया। इस संक्रामक बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाना आवश्यक है।

संपादकीय

नजदीक आते पाक-बांग्लादेश

पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश के बारे में कभी यह नहीं सोचा गया होगा कि वह पाकिस्तान के इतना नजदीक चला जाएगा कि उसके और पाकिस्तान की सेना में साझेदारी होने लगेगी। जब शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद ही अटकलें लगनीशुरू हो गईं थीं कि बांग्लादेश की पाकिस्तान नजदीकियां हो सकती हैं। वह अब सच होने लगा है। यह भारत के लिए एक झटके की तरह है। भारत ने बांग्लादेश में बड़ा निवेश किया हुआ है। अब संभव है कि पाकिस्तान के निवेश बांग्लादेश में होने लगे। दरअसल, 2014 के बाद जो भारत की विदेश नीति रही है, उसे भारत के कई पड़ोसी देश दूर हो चुके हैं। यह भारत की विदेश नीति की असफलता ही कही जाएगी। ऐसा नहीं था कि शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद यूनुस सरकार से बेहतर संवाद नहीं किया जा सकता था। ऐसा संभव था, लेकिन जिस तरह से भारत में बांग्लोदश के विरुद्ध प्रोपेगेंडा किया गया, उससे बात बिगड़ गई। बांग्लादेश की नई सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की बात करती रही, लेकिन भारत में हिंदुओं पर अत्याचार को जोर शोर से उठाया जाता रहा है। जवाब में बांग्लादेश ने भारत के अल्पसंख्यकों के सवाल उठा दिए। इस तरह बांग्लादेश भारत से दूर होता गया और पाकिस्तान नजदीक आता गया। जब तक शेख हसीना सत्ता में रहीं, पाकिस्तान से बांग्लादेश के ताल्लुकात कभी खुशगवार नहीं रहे। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सैन्य सहयोग बढ़ना भारत के लिए परेशान करने वाला हो सकता है। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब-उर रहमान पाकिस्तान को लेकर बहुत सख़्त रहे थे। उन्होंने बांग्लादेश को मान्यता दिए बिना पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फीकार अली भुट्टो से बात करने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान भी शुरू में बांग्लादेश की आजादी को खारिज करता रहा। लेकिन वक्त बदला और आज बांग्लादेश तेजी से पाकिस्तान के करीब जा रहा है। कुछ महीने पहले बांग्लादेश में बांग्ला बोलने वाले पाकिस्तान समर्थकों ने मोहम्मद अली जिन्ना की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी थी। उसके बाद जिन्ना की जयंती मनाई गई। बांग्लादेश में अचानक जिन्ना प्रेम क्यों बढ़ा है? सच यह है कि जिन्ना प्रेम कोई नया नहीं है बल्कि शुरू से ही था। इस तरह हम देख रहे हैं कि बांग्लादेश जो हाल फिलहाल तक भारत का अच्छा दोस्त था, शेख हसीना के निर्वासन के बाद से पाकिस्तान की ओर तेजी से जा रहा है। भारत फिलहाल असमंजस में है कि वह क्या करे?

वक्त बदला और आज बांग्लादेश तेजी से पाकिस्तान के करीब जा रहा है। बांग्लादेश में मोहम्मद अली जिन्ना की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी थी। जिन्ना की जयंती मनाई गई।

पाठकवाणी

सैफ अली खान पर हमले पर राजनीति

भारतीय चलचित्र के सुप्रसिद्ध कलाकार सैफ अली खान के ऊपर पिछले दौरान जानलेवा हमला हुआ था। गनीमत यह रही कि कि सैफ अली खान की जान बच गई और इलाज के बाद कुशल घर पहुंच गए हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटनाक्रम पर महाराष्ट्र ही नहीं देश की राजधानी में भी राजनीति देखने को मिली है। ऐसे मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। शिवसेना (शिंदे) नेता संजय निरुपम ने के द्वारा की गई टिप्पणी के अलावा दिल्ली में भी यह मुद्दा गरमाया हुआ है। क्योंकि सैफ अली खान पर हमला करने वाला एक बांग्लादेशी निकला है। यह कहीं ज्यादा अच्छा होता कि जानलेवा घटनाक्रम पर राजनेताओं के द्वारा सैफ अली खान से मिलकर उनको हौसला देते और उनका मनोबल बढ़ाते। सैफ अली खान ने जिस साहस के साथ हमलावर का सामना किया है और ऑटो से अस्पताल पहुंचे थे यह एक साहसी और इच्छा शक्ति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। इस तरह के घटनाक्रम पर हमें अनावश्यक बयान नहीं देनी चाहिए। इतना जरूर है कि इस घटनाक्रम की जटिलता को देखते हुए इसकी जांच में तेजी आनी चाहिए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने आम जनता को भी विचलित किया है और जितना जल्दी हो सके इसका खुलासा किया जाना चाहिए अन्यथा कयास लगाने वाले की कमी नहीं है और अफवाह फैलाने वालों की भी कमी नहीं है।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

कुछ खास

दिल्ली में हमने तीन बार सरकार बनाई, पंजाब में प्रचंड बहुमत की सरकार बनाई। मोदी का किला कहे जाने वाले गुजरात में हम 14 प्रतिशत वोट और 5 विधायक बनाए, गोवा जैसे सुदूर राज्य में 2 विधायक जीतकर आए। 2025 के इस चुनाव में 60 से ज्यादा सीटें आएंगी।

-संजय सिंह, आप सांसद

आज का ट्वीट

''महाकुंभ से चर्चा में आई मोनालिसा को लोग कैमरा लेकर घेरे हुए हैं, लड़के ऐसे चिल्ला रहे हैं जैसे वो सालों से किसी गुमनाम टापू पर कैद थे, एक लंबे अरसे के बाद बाहरी दुनिया के किसी इंसान को देख रहे हैं।'' -अभिषेक

ट्रंप के सिर पर ताज के साथ कांटें

सामयिक

शाहीन सबा

राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के साथ ही जिस तरह डोनाल्ड ट्रंप ने आनन-फानन अनेक कड़े फैसले और एलान कर डाले, उससे स्वाभाविक ही दुनिया भर में तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। दुनिया में जहां बर्लिन की दीवार गिरी, वहां फिर से नई दीवार बनाने की बात होने लगी। ओबामा केयर विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर निकलने की चर्चा थी, जहां पर्यावरण संकट के खिलाफ वैश्विक लड़ाई सामने आई थी, पेरिस समझौते से हटने की घोषणा की जा रही थी। बारह साल पहले, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपने पहले भाषण में ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों का सम्मान किया, अमेरिका में अब ट्रांसजेंडरों के लिए कोई जगह नहीं है। कहा गया कि यह नया अमेरिका है। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेने के बाद बोल रहे थे और उनके सामने बैठे बराक ओबामा समेत कई लोगों ने इसे हताश होकर सहा!

ट्रंप ने 2016 में आकर दुनिया को चौंका दिया था। हालांकि अगले चुनाव में जो बाइडेन को चुनकर अमेरिका ने अपनी गलती सुधारी। हार के बाद उम्मीद की जा रही थी कि हिंसा भड़काने, हार नकारने वाले और नंगेपन पहनने वाले आरोपियों को अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने तक नहीं दिया जाएगा। दरअसल, रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें नॉमिनेट किया था। अमेरिका ने भी उन्हें राष्ट्रपति बनाया। ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को ऐसे छोड़ दिया है जैसे कि अविकसित देशों में लोग रहते हैं या मर गए हैं। ट्रंप हीनता की राजनीति करने में सफल होते दिख रहे हैं कि 'हमने दुनिया की रोटी भूनने में खर्च कर दिया, अब हम अपने बारे में सोचें। पिछड़े आगे बढ़ गए हैं और हमारे अपने बच्चे बेरोजगार हो गए हैं।

अमेरिका यहां इसलिए आया है क्योंकि दुनिया के सभी कोनों से लोगों ने अमेरिका बनाया है। इसके विपरीत, अमेरिका ने कई देशों को नष्ट कर दिया है। यह वही अमेरिका है जो कृतघ्नता से दुनिया को आरोपियों के पिंजरे में डाल रहा है। वे पनामा नहर चाहते हैं। मुझे यह करना है। हम 'ड्रिल बेबी, ड्रिल' कहकर नया तेल और ईंधन प्राप्त करना चाहते हैं, और हम रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा को खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप यह कहने वाले कौन होते हैं कि अमेरिका 'थर्ड जेंडर' पर विचार नहीं करेगा? बेशक, लोकतंत्र को नष्ट करने में ट्रम्प अकेले नहीं हैं। रूस में पुतिन हैं, चीन में शी जिनपिंग हैं...! ट्रम्प, जो अमेरिका को स्वार्थी दुष्प्रचार की भाषा सिखाता है, जबकि दुनिया पहले से ही युद्ध की लपटों से घिरी हुई है, खतरनाक होगा!

ट्रम्प के राष्ट्रवाद का उन्माद, इसे 'अमेरिका फर्स्ट' कहते हुए, सफल रहा। उन्होंने अपने पहले भाषण में कहा, 'मैं राष्ट्रपति द्वारा अब तक की गई गलतियों को ठीक करने जा रहा हूं,' लेकिन 'मास हिस्टीरिया' में विवेक या विचार नहीं है। ट्रंप इस विभाजन की नींव पर एक नया अमेरिका बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आप्रवासी जिन्होंने अमेरिका का निर्माण किया, वे उन्हें दुश्मन बना रहे हैं। वैश्वीकरण का लाभ उठाने, अन्य देशों में बाजारों पर कब्जा करने की संकीर्णता, लेकिन उन देशों की जनशक्ति का विरोध वापस आ गया है। ट्रंप को बहुत प्रशंसा मिली जब उन्होंने कहा, 'हम केवल अमेरिका के बारे में सोचेंगे और इस देश को महान बनाएंगे,' और ऐसा करने में, वह भूल गए होंगे कि हम वैश्वीकरण के बाद की दुनिया में रहते हैं। अब, पूरे मानव समुदाय का एक ही उद्देश्य है। जलवायु परिवर्तन केवल एक देश के बारे में नहीं है। लेकिन जैसे ही उन्होंने पेरिस समझौते से बाहर निकाला, ट्रम्प संकेत दे रहे थे जैसे कि उनका बाकी दुनिया से कोई लेना-देना नहीं था: उनके प्रिय एलोन मस्क अपने शपथ ग्रहण समारोह में। इसके अलावा जेफ बेजोस और मार्क जुकरबर्ग भी मौजूद थे, जो दुनिया के बाजार पर राज करेंगे; लेकिन अगर कोई राष्ट्रवाद को स्वार्थी स्थिति कहता है कि हमें दुनिया के सुख-दुख से कोई लेना-देना नहीं है, तो यह एक पतन की शुरुआत है।

एक कड़ा फैसला उन्होंने अमेरिका में जन्म के साथ ही हर बच्चे को स्वतः वहां की नागरिकता मिल जाने संबंधी कानून को रद्द करने का किया। इस पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं। अब डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रभाव वाले वहां के 22 राज्यों ने इस फैसले को अदालत में चुनौती दे दी है। भारतीय मूल के सांसदों ने भी इसका विरोध किया है। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन के अधीन काम करने वाली कई संस्थाओं ने इसे अदालत में चुनौती दी है। जाहिर है, ट्रंप प्रशासन के लिए इस फैसले पर आगे कदम बढ़ाना आसान नहीं रह गया है। जन्म के साथ नागरिकता का कानून अमेरिकी संविधान में वर्णित है, इसलिए उसे बदलने पर विरोध की आशंका पहले ही क्षण से जताई जाने लगी थी। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी कानून को लागू करने या बदलने को लेकर असीमित अधिकार प्राप्त हैं, पर वहां की कानून-व्यवस्था ऐसी है कि राष्ट्रपति भी उससे ऊपर नहीं हैं।

दरअसल, ट्रंप शुरू से अवैध घुसपैठ और आव्रजन संबंधी नियमों में लचीलेपन के खिलाफ रहे हैं। अपने पिछले कार्यकाल में भी उन्होंने कहा था कि आव्रजन नियमों में कमजोरी का लाभ उठा कर बहुत सारे लोग दूसरे देशों से आ जाते हैं और वे अमेरिकी युवाओं का हक मारते और संसाधनों का उपभोग करते हैं। सीमाओं पर सख्त निगरानी न होने के कारण हर वर्ष लाखों लोग अवैध रूप से घुस आते हैं। ट्रंप ऐसे हर विदेशी नागरिक को अमेरिका से बाहर निकालना चाहते हैं। इसलिए शपथ ग्रहण के साथ ही उन्होंने सीमाओं पर आपातकाल लगा दिया और वहां सेना भेजने का फरमान जारी कर दिया। ऐसा नहीं कि ट्रंप से पहले अवैध घुसपैठियों पर नजर नहीं रखी जाती थी या गलत तरीके से आए लोगों को वापस नहीं भेजा जाता था। मगर ट्रंप जिस तरह विदेशी नागरिकों का वहां से सफाया करना चाहते हैं, उसे किसी भी लोकतांत्रिक देश का कदम नहीं माना जा सकता।

अवैध घुसपैठ निस्संदेह अमेरिका के सामने बड़ी समस्या है और उससे निपटने के लिए कड़े कदम उठाने का विरोध नहीं किया जा सकता। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि वैध रूप से वहां रह रहे लोगों को भी नाहक निशाने पर ले लिया जाए। इससे विदेशी नागरिकों की मुश्किलें तो बढ़ेंगी ही, अमेरिका को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। शपथ ग्रहण से पहले जब ट्रंप ने घोषणा की थी कि वे एच वन-बी वीजा खत्म करेंगे, तब उनके करीबी एलन मस्क ने ही सबसे पहले उसका विरोध किया था। इसके पीछे वजह यही थी कि ऐसे फैसले से दूसरे देशों से तकनीकी विशेषज्ञों और कुशल लोगों को लाना कठिन हो जाएगा। अमेरिका बेशक दुनिया का संपन्न देश है, पर हकीकत यह भी है कि बहुत सारे तकनीकी मामलों में उसके पास कुशल और विशेषज्ञ नागरिक नहीं हैं। जिस तरह भारी शुल्क थोपने से दूसरे देशों में अमेरिका का भी बाजार सिकुड़ जाएगा, उसी तरह विदेशी नागरिकों को वहां से निकाल बाहर करने या प्रवेश रोकने पर उसके औद्योगिक उत्पादन पर बुरा असर पड़ सकता है। इतने कड़े तथा व्यापक विरोध के बावजूद, वे नहीं चाहेंगे कि जन्मजात मिलने वाली नागरिकता के कानून पर विवाद लंबा खिंचे।

अवैध घुसपैठ निस्संदेह अमेरिका के सामने बड़ी समस्या है और उससे निपटने के लिए कड़े कदम उठाने का विरोध नहीं किया जा सकता। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि वैध रूप से वहां रह रहे लोगों को भी नाहक निशाने पर ले लिया जाए। इससे विदेशी नागरिकों की मुश्किलें तो बढ़ेंगी ही, अमेरिका को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

55 वीं विश्व आर्थिक मंच बैठक दावोस स्विट्जरलैंड 20-24 जनवरी 2025 का आगाज@ भारत अमेरिका का डंका

वैश्विक नवोन्मेष,तकनीकी अग्रदूतों व यूनिकॉर्न विशेषज्ञों के चर्चा सत्र विश्व आर्थिक मंच में मुख्य विषय बुद्धिमान युग के लिए सहयोग था

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम हर वर्ष सदस्य देशों को प्रौद्योगिकीय प्रगति व भू-आर्थिक बदलावों के युग में अपने नेतृत्व को स्थापित व सहयोग को बढ़ावा देने का अवसर है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया- वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में विकसित होती प्रौद्योगिकी टेक्नोलॉजी यूनिकॉर्न में जहां एक ओर दुनियाँ में प्रतिस्पर्धा सृजित की है,तो दूसरी ओर अनेक समस्याएं भी उत्पन्न हुई है,इसलिए विश्व आर्थिक मंच एक दिशा प्रदान करने व अपने-अपने देश की उन्नत प्रौद्योगिकी तकनीकी को प्रस्तुत कर निवेशकों को आकर्षित करता है, इसलिए दुनियाँ को अर्थव्यवस्था के लिए स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक 20-24 जनवरी 2025 तक हुई,जिसमें दुनियाँ के 130 देशों के 2700 नेता शामिल हुए जिसमें 52 देशों के प्रमुख शामिल। इस बार दुनियाँ की अर्थव्यवस्था के प्रमुख मुद्दों में जलवायु परिवर्तन और रूस यूक्रेन युद्ध भी प्रमुख रूप से शामिल थे।कोविड-19 महामारी के कारण यह बैठक दो साल नहीं हुई और उसके बाद यह पहली बैठक हुई। इस साल की थीम कॉऑपरेशन फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ एंड शेयर्ड प्रोस्पायरीटी यानि संधारणीय वृद्धि और साझा सम्पन्नता के लिए सहयोग रखी गई।विश्व आर्थिक मंच स्विट्जरलैंड में स्थित गैरलाभकारी अंतरराष्ट्रीय संस्था है जिसका मकसद दुनियाँ के वैश्विक व्यवसाय, राजनीति, शैक्षिक और अन्य संबधित क्षेत्र में प्रमुख लोगों को एक मंच पर लाने का काम करना है जिससे दुनियाँ की वैश्विक, क्षेत्रीय और औद्योगिक दिशा तय हो सके. इसकी नींव साल 1971 में स्विस जर्मन अर्थशास्त्री और प्रोफेसर क्लॉस श्वाब रखी थी। दुनियाँ में राजनैतिक सामाजिक और राजनैतिक मुद्दों पर सहयोग करना मंच के मुख्य लक्ष्यों में से एक है, मंच का मानना है कि विकास तब होता है जब जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को साथ आते हैं जिनमें सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता होती है। शुरूआत में इसे यूरोपीय प्रबंधन मंच कहा जाता था, और बाद में इसका नाम बदलकर 1987 में विश्व आर्थिक मंच कर दिया गया। इसके साथ ही इसे विश्व के अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने का मंच भी बना दिया गया। आधिकारिक तौर पर यह एक सम्मेलन होता है जहां लंबी चर्चाएँ और वार्ताएँ होती हैं जिसमें विश्व अर्थव्यव्यवस्था से लेकर तनाव प्रबंधन के नजरिए तक को शामिल किया जाता है। इस मंच पर देशों के प्रमुख और कॉपोरेट नेतृत्व मिल कर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय चर्चाएँ करते हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, 55 वीं विश्व आर्थिक मंच वार्षिक बैठक दवोस स्विट्जरलैंड 20-24 जनवरी 2025 का

आगाज @ भारत अमेरिका का डंका।

साथियों बात अगर हम विश्व आर्थिक मंच दावोस में भारत के प्रतिनिधित्व व संबोधन की करें तो केंद्रीय मंत्री अश्विनी नें भारत का प्रतिनिधित्व किए। यह आयोजन भारत के समावेशी विकास और डिजिटल परिवर्तन को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था केंद्रीय मंत्री ने दुनिया के सामने भारत के विकास का नया विजन प्रस्तुत किया। उन्होंने ग्लोबल इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मुलाकात कर भारतीय रेलवे के सुधार, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और मेड-इन-इंडिया उत्पादों पर चर्चा की।उन्होंने कहा कि पीएम का लक्ष्य भारत को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी राष्ट्र बनाना है। उन्होंने बताया कि दुनियाभर में मेड-इन-इंडिया उत्पादों को लेकर उत्साह है और भारत वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि दावोस में डब्लूईएफ 2025 में भागीदारी, भारत के आर्थिक और सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वैश्विक अनुभव और तकनीक अपनाने का उदाहरण है।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2025 में भारत के छह राज्य-आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश ने भी भाग लिया। इन राज्यों ने अपनी विकास योजनाएं और निवेश के अवसर प्रस्तुत किए। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि स्विस विशेषज्ञों के साथ हुई चर्चा से भारतीय रेलवे में सुरक्षा और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। इसी दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में कानूनों को सरल बनाने पर जोर दिया है,इसका फायदा टेलीकॉम सेक्टर में मिला है।भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ 6 से 8 प्रतिशत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पीएम की सरकार का नियमों को सरल बनाने का मुख्य एजेंडा मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की रणनीति पर चलना है। सरकार ने कौशल विकास से लेकर सशक्तिकरण पर जोर दिया है। पीएम के नेतृत्व में भारत ने अपना फोकस देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने पर किया है। देश में रेलवे, रोड और कॉलेज वगैरह का तेजी से निर्माण हुआ है, इतना ही नहीं भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, जहां 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं। दावोस में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने अपने राज्य को भारत की पहली 1 ट्रिलियन स्टेट इकोनॉमी के तौर पर शोकेस किया,इसका फायदा भी महाराष्ट्र को मिला और यहां उन्होंने कुल 15.7 लाख करोड़ रुपए के इंवेस्टमेंट एमओयू साइन किए, इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ हुआ 3.05 लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव शामिल है, इससे राज्य के अलग-अलग सेक्टर में कुल 3 लाख रोजगार पैदा होने की उम्मीद है, इसके अलावा अमेजन वेब सर्विस ने भी 71,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की बात विशेष रूप से कही है।

साथियों बात अगर हम विश्व आर्थिक मंच को अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 23 जनवरी 2024 को वर्चुअल संबोधन की करें तो, ट्रंप ने कहा, भाग्य से मैं तब राष्ट्रपति बना हूं जब विश्व कप और ओलंपिक अमेरिका में होंगे। अमेरिका 2026 में फीफा विश्व कप और 2028 में ओलंपिक की मेजबानी करेगा, तब ट्रंप राष्ट्रपति होंगे। ट्रंप ने कहा,किसने सोचा था कि एक कार्यकाल छोड़ने के बाद मुझे ओलंपिक में भाग लेने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा,यह हुआ, भाग्य के कारण या आप इसे जो भी कहें, मैं विश्व कप, ओलंपिक और अमेरिका की 250 वीं वर्षगांठ के दौरान राष्ट्रपति रहूंगा।ट्रंप ने बृहस्पतिवार को डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि वह जल्द से जल्द रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि यह जल्द ही होगा। उन्होंने यूक्रेन को कत्ल का मैदान बोला और कहा कि अब इस युद्ध के समाप्त होने का समय आ गया है। ट्रंप ने कहा कि वे सऊदी अरब और ओपेक को तेल की कीमत कम करने के लिए कहेंगे, क्योंकि ऐसा होने पर तुरंत रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त हो जाएगा। वे सऊदी अरब को तेल की कीमत कम करने के लिए कहेंगे, क्योंकि इससे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध तुरंत समाप्त हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का स्वर्णिम दौर शुरू हो गया है, हमारा देश जल्दी ही पहले से अधिक मजबूत, एकजुट और संपन्न बनेगा, उन्होंने साथ ही विश्व व्यापार जगत के नेताओं से कहा कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका में विनिर्माण करें, अन्यथा उन्हें टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है, आओ अमेरिका में अपना उत्पाद बनाएं और हम आपको दुनियाँ के किसी भी देश के सबसे कम टैक्स में से एक देंगे,लेकिन अगर आप अपना उत्पाद अमेरिका में नहीं बनाते हैं, जो आपका विशेषाधिकार है, तो बहुत सरलता से आपको टैरिफ का भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि मैं सऊदी अरब, ओपेक से तेल की कीमतें कम करने के लिए कहूंगा, अगर तेल की कीमतें कम हुईं तो रूस-यूक्रेन युद्ध तत्काल समाप्त हो जाएगा.वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने चार दिनों में वह हासिल कर लिया, जो अन्य सरकारें चार साल में भी हासिल नहीं कर सकीं

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

तीखी नजर

दुशासन बना साड़ी व्यापारी

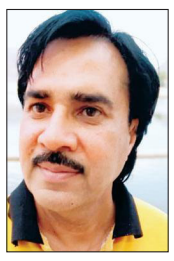

राम विलास जांगिड़

झिंगी तोता राज्य के मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की की राज्य के सभी नागरिक प्रेम, शांति और ईमानदारी से रहें। इसका असर यह हुआ कि राज्य में अब कहीं कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं, कोई विवाद नहीं और न ही कोई दंगा-फसाद! सब कुछ शांत और स्थिर था। झिंगी तोता सरकार का वादा आखिरकार पूरा हुआ था- लोकतंत्र का राज्य सच्चे अर्थों में आ चुका था। अब पुलिस महकमा अपने पुराने तरीके से अपराधियों को पकड़ने की बजाय, सर्कस के करतबों में महारत हासिल कर चुका था। पुलिस वाले अब एक हाथ से दूसरे का हाथ पकड़कर हवा में लहराते और बच्चों के सामने करतब दिखाते। बच्चों की तालियों के बीच वे खुशी-खुशी अपने नये काम में जुटे रहते थे।

इधर रावण ने अपने पुराने अहंकार को ठहरे हुए हिंद महासागर में विसर्जित कर दिया था और अब वह शांति का संदेश देने वाले प्रवचनकर्ता बन चुका था। उसकी छवि अब गुरु जैसी हो गई थी, जो बच्चों के लिए आदर्श बन चुका था। वह हर किसी को विनय-शीलता का पाठ पढ़ने लगा। उसने बच्चों के लिए झूलों का पूरा इंतजाम किया और प्रवचन की टिकटें बेचकर उन्हें सुनने के लिए लुभाता। बच्चे उसकी मूंछों को खींचते और वह मुस्कुरा कर उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से संभालता। माता-पिता रावण के पास आकर अपने बच्चों के साथ सेल्फी लेते और सोशल मीडिया पर वायरल कर देते। रावण अब किसी सोशल मीडिया के स्टार से कम नहीं था।

दुशासन ने साड़ी खींचने के अपने पुराने धंधे को छोड़कर शहर में एक बड़ा साड़ी शोरूम खोल लिया। झिंगी तोता राज्य में वह साड़ी व्यापार में इतनी सफलता प्राप्त कर चुका था कि उसकी गारंटी भी भीष्म पितामह ने दी थी। हर महिला को शोरूम में कदम रखते ही वह दंडवत प्रणाम करता और साड़ी दिखाता, जैसे वह कोई साड़ी का भगवान हो। मुफ्त में पानी और पतासे का आनंद लेते हुए महिलाएं उसकी साड़ी खरीदने लगीं। अब वह एक साड़ी खरीदने पर तीन साड़ियां मुफ्त दे रहा था। महिलाएं दुशासन के साड़ी शोरूम में जाना अपना भाग्य समझने लगी थी।

कंस भी अब गरम कचोरी का ठेलेवाला बन गया था। वह हर दिन तीन किलोमीटर दूर जाकर नगर निगम को टैक्स चूक हुई वह कचोरी बेचने लगा। बच्चों के गुदगुदाने और कंस के पेट पर हंसी उड़ाने की पूरी छूट थी। कंस अब बच्चों के बीच गुदगुदी वाला भाई बन चुका था और वह हर किसी को खुशी देने के लिए अपने काम में लगा था। लोकतंत्र के इस नए राज्य में कोई किसी से डरने या लड़ने की बजाय, अपनी खुशी को साझा करने में व्यस्त था। अब लोकतंत्र का राज्य अपने सबसे अच्छे रूप में था। रावण ने शांति के प्रवचन दिए, दुशासन साड़ी का व्यापारी बन गया और कंस कचोरी वाला के रूप में सामने आया और पुलिस वाले सुबह से शाम तक मजीरे कूटते रहते।अब हर व्यक्ति ने झिंगी तोता राज्य के आदर्शों को अपना लिया था।

सार संक्षेप

एडम जम्पा आईएल टी-20 के तीसरे सत्र में शारजाह वॉरियर्स से जुड़े

शारजाह : ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर और दाएं हाथ के बल्लेबाज एडम जम्पा डीपी वर्ल्ड आईएल टी-20 के तीसरे सत्र के शेष भाग में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलेंगे। उन्हें श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह टीम में शामिल किया गया है। एडम जम्पा ने शारजाह वॉरियर्स के साथ जुड़ने को लेकर कहा कि मैं यूएई लौटकर और डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के तीसरे सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स में शामिल होकर बहुत खुश हूं। वॉरियर्स टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ फ्रेंचाइजी में से एक है और मैं आदिल राशिद, टिम साउथी और जेपी डुमिनी जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टूर्नामेंट के दूसरे भाग में अपने प्रशंसकों के लिए कुछ शानदार प्रदर्शन करेंगे।

असहमति जताने पर अंकित बावने एक रणजी मैच के लिए निलंबित

नासिक : महाराष्ट्र के बल्लेबाज अंकित बावने को रणजी ट्रॉफी मैच में अम्पायर के फैसले से असहमति पर एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। यहां बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के छठे दौर के ग्रुप ए मैच से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम को इस फैसले की जानकारी दी गई। पिछले वर्ष सर्विसेज के खिलाफ पांचवें दौर के मैच में अमित शुक्ला की गेंद पर शुभम रोहिल्ला द्वारा स्लिप में कैच लिए जाने के बाद बावने के मैदान छोड़ने से इनकार कर दिया था। डीएसआर न होने के कारण इस फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती थी इसके बावजूद बावने 15 मिनट तक क्रीज पर बने रहे।

चिराग-सात्विक, लक्ष्य की हार के साथ भारत का अभियान समाप्त

जकार्ता : चिराग शेट्टी-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और लक्ष्य सेन को गुरुवार को दूसरे दौर में मिली हार के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। यहां खेले गये मैच में मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक को थाईलैंड की जोड़ी ने 22-20, 23-21 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में तीन और दूसरे गेम में दो गेम प्वाइंट गंवा दिए। दुनिया के 10वें नंबर के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मैच में एक घंटे और 13 मिनट तक संघर्ष करने के बाद हार कर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद केंटा निशिमोटो ने पहला गेम जीता, जबकि लक्ष्य सेन ने दूसरा गेम जीतने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। लक्ष्य सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाकर निर्णायक गेम को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया, लेकिन केंटा निशिमोटो ने धैर्य बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने नाम करने के लिए शानदार वापसी की और मैच को 21-16, 12-21, 23-21 से जीत लिया। लक्ष्य सेन का केंटा निशिमोटो के साथ यह पांचवां मुकाबला था और इस हार के बावजूद, भारतीय शटलर वर्तमान में उनसे हेड-टू-हेड मुकाबले में 3-2 से आगे हैं।

श्रीलंका को हराकर भारत महिला टीम अंडर-19 विश्वकप के सुपर-6 में

● क्वालालंपुर, वार्ता

जी तृषा (49) रनों की पारी के बाद शबनम, जोशिता और परुनिका की धारदार गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को अंडर-19 टी-20 विश्वकप मुकाबलें में श्रीलंका को 60 रनों से हराया।

भारत के 118 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे तू चल मैं आया की तर्ज पर अंतराल पर अपने विकेट गवांते रहे। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और श्रीलंका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 58 रन ही बना सकी तथा 60 रनों से मुकाबला हार गई। श्रीलंका की ओर से केवल रश्मिका सेवांडी (15) ही दहाई आंकड़े तक पहुंच सकी। भारत के लिए शबनम, जोशिता और परुनिका सिसोदिया ने दो-दो विकेट लिए। आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां श्रीलंका की टीम ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जी तृषा (49), कप्तान निक्की प्रसाद (11), मिथिला विनोद

(16) और वीजे जोशिता (14) रनों के योगदान से निर्धारित 20 ओवरो में नौ विकेटपर 118 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे तृषा को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। श्रीलंका की ओर से असेनी थलागुने, लिमांसा थिलाकरत्ना और प्रमुदी मेथसारा ने दो-दो विकेट लिए।

वेस्टइंडीज ने मलेशिया को हराया

क्वालालंपुर, वार्ता : असाबी कॉलेंडर (30) रन के बाद समारा रामनाथ (चार विकेट) की शानदार प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने गुरुवार को मेजबान मलेशिया को 53 रनों से हराकर महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सुपर सिक्स चरण में जगह बना ली हैं। वेस्टइंडीज के 112 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया की पूरी टीम वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18 ओवर में 59 रन पर ढेर हो गई। नूर दानिया स्यूहादा ने (12) रन बनाये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। वेस्टइंडीज के लिए समारा रामनाथ को चार विकेट मिले। नाइजैनी कम्बरबैच और एरिन डीन ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। जी क्लैक्सटन को एक विकेट मिला। इससे पहले मलेशिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने असाबी (30), जी क्लैक्सटन (19) और ब्राइस (14) की उपयोगी पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 112 रन का स्कोर बनाया। मलेशिया की ओर से सिटी नज्वा और नूर इज्जतुल स्याफिका ने दो-दो विकेट लिए।

सबालेंका-कीज में होगी भिड़ंत

सबालेंका लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में, मैडिसन कीज ने इगा स्वातेक को सेमीफाइनल हराया, 25 जनवरी को होगा खिताबी मुकाबला

● मेलबर्न, वार्ता

डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के फाइनल में पहुंच गई हैं। सबालेंका ने लगातार तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई। 25 जनवरी को खिताबी मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की मैडिसन कीज से होगा। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में बेलारूस की सबालेंका ने स्पेन की पाउला बडोसा को हराया। उन्होंने 6-4, 6-2 के अंतर से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियन ओपन में यह उनकी लगातार 20वीं जीत रही, वे 2023 और 2024 में भी टाइटल जीत चुकी हैं। सबालेंका ने पाउला को 6-4, 6-2 से हराया। वहीं अमेरिकन मॉडल टायरा बैंक्स सबालेंका और पाउला का सेमीफाइनल मुकाबला देखने पहुंची थीं। मैडिसन ने दूसरी सीड पौलेंड की इगा स्वातेक को 3 सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में हराया। मैडिसन ने पहला सेट 5-7 के अंतर से गंवा दिया। उन्होंने फिर वापसी की और दूसरा सेट 6-1 के अंतर से जीत लिया। तीसरे सेट में स्वातेक 5-6 से आगे चल रही थीं, मैडिसन ने यहां कमबैक किया और 7-6 (10-8) से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैडिसन कीज ने पहला सेट हारने के बाद

सेमीफाइनल जीत लिया। वहीं पुरुष एकल के सेमीफाइनल मुकाबले आज यानी शुक्रवार को खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल नोवाक जोकोविच और एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा। वहीं, दूसरा मुकाबला वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और बेन शेल्टन के बीच होगा। ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया 'टेनिस ऑस्ट्रेलिया' बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

फीडे रैंकिंग में चौथे नंबर पर आए गुकेश, अर्जुन की जगह ली

● नई दिल्ली, वार्ता

भारत के डी गुकेश गुरुवार को फीडे (इंटरनेशनल चेस फेडरेशन) की ताजा रैंकिंग में चौथे स्थान पर आ गए हैं। वे अब भारत के हाईएस्ट रैंक खिलाड़ी बन गए हैं। गुकेश ने अर्जुन एरिगैसी की जगह ली है। 18 साल के गुकेश ने नीदरलैंड में चल रहे टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर यह अचीवमेंट हासिल की। टूर्नामेंट में यह उनकी दूसरी जीत थी।

गुकेश के अब 2784 रेटिंग अंक हो गए हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारत के नंबर एक खिलाड़ी रहे एरिगैसी 2779.5 रेटिंग अंकों के साथ 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन फीडे वर्ल्ड चेस रैंकिंग में 2832.5 अंकों के साथ टॉप पर बरकरार हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका के ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा (2802) और उनके हमवतन फैबियानो कारूआना (2798) तीसरे पर है। अब चौथे नंबर पर गुकेश और पांचवें पर अर्जुन इरिगैसी है। डी गुकेश को 17 जनवरी को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के सबसे बड़े खेल अवॉर्ड मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया था। गुकेश दिसंबर में

वर्ल्ड चेस चैंपियन बने थे 18 साल के गुकेश ने पिछले साल दिसंबर में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता था। उन्होंने चीन के डिफेंडिंग चैंपियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराया। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंगापुर में 11 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का टाइटल जीता था। उन्होंने चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम जीती

दूसरे टी-20 मैच में इंग्लैंड को छह रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

कैनबरा, वार्ता : कप्तान तालिया मैक्ग्रा (नाबाद 48), बेथ मूनी (44) की शानदार बल्लेबाजी के बाद कसी हुई गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने गुरुवार को वर्षा बाधित मैच में इंग्लैंड को दूसरे टी-20 में छह रन से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

ऑस्ट्रेलिया के 185 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए मैया बाउचियर और डेनियल वायट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। छठे ओवर में सदरलैंड ने बाउचियर (13) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई सोफिया डंकली ने

मोर्चा संभाला। 13वें ओवर में मेगन शूट ने डेनियल वायट (52) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई। सोफिया डंकली (32) और नेट सायबर ब्रंट (22)रन बनाकर आउट हुई। एक समय ऐसा लगा रहा था कि इंग्लैंड यह मैच जीत लेगा। 20वें ओवर में जब बारिश शुरु हुई तो इंग्लैंड ने चार विकेट पर 168 रन बना लिये थे। हीथर नाइट 19 गेंदों में (नाबाद 43) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थी। बारिश नहीं रूकने पर ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस नियम के तहत छह रन से विजेता घोषित किया गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शूट ने दो विकेट लिये। किम गार्थ और ऐनाबेल सदरलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान तालिया मैक्ग्रा 35 गेंदों में (नाबाद 48), बेथ मूनी (44), ग्रेस हैरिस (नाबाद 35), ऐनाबेल सदरलैंड (18), फीबी लिचफील्ड (17) के योगदान से निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 185 का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से शार्लेट डीन ने दो विकेट लिए। फ्रेया केंप और सोफी एकल्सटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑलराउंडर बनने के लिए शुरुआती चरण में विकास होना जरूरी : कपिल देव

● गुरुग्राम, वार्ता

क्रिकेट के महानायक कपिल देव ने गुरुवार को कहा कि ऑलराउंडर बनने के लिए व्यक्ति को जीवन के शुरुआती सीखने के चरण में सर्वांगीण रूप से विकसित होने की आवश्यकता होती है।

यहां सत्य स्कूल गुरुग्राम के वार्षिक खेल दिवस 'सत्यन स्पर्धा' के अवसर पर कपिल देव ने स्कूल के नवनिर्मित क्रिकेट पिच का उद्घाटन किया और सत्यनों के साथ एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला। इस कार्यक्रम के दौरान खेल क्षेत्र में करियर के अवसरों पर सत्र भी आयोजित किया गया, जिनमें पेशेवर एथलेटिक्स, कोचिंग, खेल प्रबंधन और खेल चिकित्सा में उपलब्ध अवसरों के बारे में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कपिल देव ने कहा कि मुझे खुशी है कि सत्य स्कूल में खेल और आउटडोर गतिविधियों पर इतना ध्यान दिया जा रहा है। ऑलराउंडर बनने के लिए व्यक्ति को जीवन के शुरुआती सीखने के चरण में सर्वांगीण रूप से विकसित होने की आवश्यकता होती है, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल खेलना भी बहुत ही जरूरी है। आपके पास खेल के क्षेत्र में सफल होने के लिए क्रिकेट पिच से लेकर स्क्वैश, बास्केटबॉल, फुटबॉल के कोर्ट, जिमनास्टिक्स, ताइक्वांडो और बैडमिंटन जैसे इनडोर खेलों के लिए पूरी तरह सुसज्जित स्थान जैसी सभी विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। सारे साधन आपको मिले हुए हैं। अब आपको बस चाहिए आपका दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और अपनी सामान्य क्षमताओं से आगे बढ़कर कुछ कर गुजरने की इच्छा शक्ति। आपको जो ये अवसर मिले हैं उनका लाभ उठाइए, तो सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी। इस अवसर पर सत्य स्कूल के अध्यक्ष राकेश भारती मित्तल ने कपिल देव का अभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज क्रिकेट के महान खिलाड़ी कपिल देव का हमारे साथ होना हमारे लिए बड़े सम्मान की बात है। खेल के प्रति उनका निडर दृष्टिकोण और विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक के रूप में उनका असाधारण कौशल आज भी युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है।

रणजी ट्रॉफी में भी नहीं चला गिल-रोहित का बल्ला

मात्र तीन रन बनाकर आउट हुए रोहित

● बेंगलुरु, वार्ता

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल गुरुवार को रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में विफल रहे, और सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट गये। यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के लिए खेल रहे शुभमन गिल मात्र चार रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्होंने अभिलाष शेट्टी की गेंद पर चौका लगाकर शुरुआत की। इसके बाद वह शेट्टी की गेंद पर विकेट के पीछे कैच थमा बैठे।

वहीं दूसरे मैच में जम्मू और कश्मीर के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए कप्तान रोहित शर्मा भी मात्र तीन रन बनाकर आउट हुए। एक दशक के बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे रोहित तेज गेंदबाज उमर नजीर के सामने असहज दिखे। नजीर के तेज बाउंसर ने न केवल उन्हें परेशान किया बल्कि तेज शुरुआत के बाद आउट भी हुए। दोनों ही बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। इन दोनों खिलाड़ियों का निराशाजनक

प्रदर्शन से चयनकर्ताओं के लिए चिंता का विषय है।

जडेजा-देसाई ने सौराष्ट्र को संकट से उबारा

● राजकोट, वार्ता

रवींद्र जडेजा (पांच विकेट/38 रन) और हार्विक देसाई (93) रन के शानदार प्रदर्शन के दम पर गुरुवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले में सौराष्ट्र ने दिल्ली को 188 रन पर समेटने के बाद पांच विकेट पर 163 रन बनाकर मैच पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं।

दिल्ली को 188 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी सौराष्ट्र की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 73 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिए थे। हालांकि इस दौरान हार्विक देसाई एक छोर थामे खड़े रहे। रवींद्र जडेजा (38)रन बनाकर आउट हुए। दिन का आखिरी विकेट शतक की ओर बढ़ रहे हार्विक देसाई का गिरा। उन्होंने 120 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 93 रनों की पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने के समय सौराष्ट्र ने पांच विकेट पर 163 रन बना लिए थे और वह अभी दिल्ली के स्कोर से 25 रन पीछे है। अर्पित वसावड़ा (नाबाद तीन) क्रीज पर मौजूद थे। दिल्ली की

ओर से शिवम शर्मा को दो विकेट मिले। हर्ष त्योगी , आयुष बढ़ोनी और अमित राणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को सौराष्ट्र के रवींद्र जडेजा (पांच विकेट) और धर्मेन्द्र सिंह जडेजा (तीन विकेट) के कहर का सामना करना पड़ा। इन दोनों गेंदबाजों ने दिल्ली के आठ बल्लेबाजों को आउट किया। कप्तान आयुष बदोनी (60), यश ढुल (44), मयंक गुसैन (नाबाद 38), जोंटी सिद्धू (16) और सनत सांगवान (12) रन बनाकर आउट हुए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)